Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 187 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 14 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमें उस धन से कोई मतलब नहीं, जो हमारे सुखमय जीवन को दुखमय बना दे।

We have no concern with such a wealth which turns our joyful life into sorrowful one.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान को सिंधु नदी में मिला अरबों का खजाना, क्या मिटेगी कंगाली?

इस्लामाबाद (ए)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को नई उम्मीद देने वाली खबर सामने आई है। देश के सिंधु नदी में बड़ी मात्रा में सोने के भंडार की खोज हुई है। इस सोने का मूल्य लगभग 600 बिलियन पाकिस्तानी रुपये (करीब 1.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर) आंका गया है। माना जा रहा है कि टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव और नदी के बहाव के कारण सिंधु नदी में सोने के कण जमा होते रहे हैं। इस तरह से बड़ी मात्रा में सोने का भंडार बन गया है। कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए यह खोज किसी वरदान से कम नहीं है।

काशी विश्वनाथ में 11 जनवरी से 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी (आरएनएस)। प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत सोमवार से हो गई है। इसके चलते अब श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन भीड़ प्रबंधन के लिए सतर्क हो गया है। इस दौरान 11 जनवरी से महाशिवरात्रि के दो दिन बाद 28 फरवरी तक बाबा के स्पर्श दर्शन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर में 11 जनवरी से प्रोटोकॉल लागू है और 28 फरवरी तक स्पर्श दर्शन पूर्णता हर समय प्रतिबंधित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले को दी 2 अरब 88 करोड़ 18 लाख रु. के 168 विकास कार्यों की सौगात

महतारी वंदन योजना से हमारी माताओं और बहनों के चेहरे पर आई मुस्कान हमारे कार्य की सार्थकता : विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले को दी 2 अरब 88 करोड़ 18 लाख रूपए के 168 विकास कार्यों की सौगातमुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले को दी 2 अरब 88 करोड़ 18 लाख रूपए के 168 विकास कार्यों की सौगातमुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले को दी 2 अरब 88 करोड़ 18 लाख रूपए के 168 विकास कार्यों की सौगातमुख्यमंत्री ने कोंडागांव जिले को दी 2 अरब 88 करोड़ 18 लाख रूपए के 168 विकास कार्यों की सौगात

हमारी सरकार ने एक साल पूरे कर लिये हैं और इस एक साल के दौरान हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दी गई गारंटी के अनुरूप हमने हर वर्ग से जुड़े वायदों को पूरा किया है।हम हर महीने महतारी वंदन योजना की राशि माताओं और बहनों के खाते में भेज देते हैं। पहली तारीख को ही जब हमारी माताओं और बहनों के मोबाइल में मैसेज आता है तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है।माताओं-बहनों के चेहरे पर आई यह मुस्कान ही हमारे कार्य की सार्थकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कोंडागांव जिला मुख्यालय में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश भर में हम लगभग 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दे रहे हैं। एक साल में हमारी सरकार ने कोंडागांव जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये और इस पर तेजी से क्रियान्वयन किया है। इसी कड़ी में आज हमने यहां 288 करोड़ रुपए के 168 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इन कार्यों में 208 करोड़ रुपए की राशि के 130 कार्यों का लोकार्पण एवं 80 करोड़ रुपए के 38 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। साथ ही इस मौके पर हम 58 लाख रुपए की राशि के हितग्राहीमूलक कार्यों के चेक और सामग्री भी वितरण कर रहे हैं। इसमें कोंडागांव जिले की 1 लाख 28 हजार माताओं-बहनों को योजना का लाभ मिल रहा है। माताएं-बहनें इस योजना का उपयोग बहुत कुशलता से कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के बीच लोकप्रिय महतारी वंदन योजना के आने से 5 लाख महिलाओं ने डाकघर में मासिक बचत खाते आरंभ कर दिये हैं। यह केवल डाकघर के आंकड़े हैं। कुछ माताएं-बहनें अपनी राशि बैंक में जमा कर रही हैं। कुछ अपने बच्चों की शिक्षा में निवेश कर रही हैं। साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर रही हैं। यह महिलाओं की आर्थिक आजादी की योजना है। महिलाओं को आर्थिक ताकत देने से समाज का तेजी से विकास होता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार की कृषि हितैषी नीतियों की वजह से किसान फिर से खेती में लौट आये हैं। इस बार 27 लाख से अधिक किसान भाइयों ने धान बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। पिछले साल यह आंकड़ा 24 लाख 75 हजार का था। कोंडागांव जिले में अब तक 40 हजार से अधिक किसान भाई अपना धान बेच चुके हैं और अब तक हम 552 करोड़ रुपए का भुगतान कर चुके हैं। हमने कैबिनेट की पहली ही बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये। लाखों लोगों का मकान का सपना पूरा हुआ।

बचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

माओवादी खून खराबे और आतंक के पक्षधर हैं, हम विकास और सद्भाव के लिए काम कर रहे हैं। अब बस्तर की तस्वीर तेजी से बदल रही है। जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब विकास का शंखनाद सुनाई देता है। जहां कभी बेकारी और लाचारी थी, वहीं इस जिले के ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। हम माओवाद को जड़ से खत्म करके ही दम लेंगे। हमारे शहीद जवानों की शहादत बेकार नहीं जाने देंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल बचेली में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल, बड़े बचेली में हमने 160 करोड़ रूपये के 501 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इनमें 49 करोड़ रूपये के 367 कार्यों का लोकार्पण और 112 करोड़ रूपये के 134 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया जेड मोड़ सुरंग का उद्घाटन, 1 घंटे की दूरी 15 मिनट में तय होगी

सोनमर्ग (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग इलाके में जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन किया। जेड-मोड सुरंग का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरंग का निरीक्षण किया। इस दौरान एलजी मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरंग के निर्माण कार्य से जुड़ी टीम से बातचीत की, जिसमें टीम ने सुरंग के निर्माण की प्रक्रिया और इससे संबंधित चुनौतियों के बारे में पीएम मोदी को जानकारी दी। टीम ने बताया कि इस परियोजना में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन इन सबके बावजूद सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह सुरंग श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर स्थित है जो जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रीय विकास और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिहाज से बेहद अहम है।

श्रीनगर-लेह हाइवे पर गगनगीर से सोनमर्ग के बीच पहले 1 घंटे से ज्यादा समय लगता था। इस टनल के कारण अब यह दूरी 15 मिनट में पूरी हो सकेगी। इसके अलावा गाड़ियों की स्पीड भी 30 किमी/घंटा से बढ़कर 70 किमी/घंटा हो जाएगी। दुर्गम पहाड़ी वाले इस इलाके को क्रॉस करने में पहले 3 से 4 घंटे का समय लगता था। अब यह दूरी मात्र 45 मिनट में पूरी होगी। 6.5 किलोमीटर लंबी यह सुरंग श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच यात्रा को सुगम बनाएगी। इसके खुलने से इस मार्ग पर सभी मौसमों में यातायात की सुविधा होगी और पहले की तरह सर्दियों में बंद होने वाली सड़क साल भर खुली रहेगी। उम्मीद है कि सुरंग के निर्माण से सोनमर्ग क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सोनमर्ग, जो पहले सर्दियों में यातायात की बाधाओं का सामना करता था, अब पर्यटकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन सकता है।

करीब 12 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का निर्माण 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। इसमें 6.4 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग मुख्य सुरंग, एक निकास सुरंग और पहुंच मार्ग शामिल हैं। समुद्र तल से 8,650 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह पुल लेह के रास्ते श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच सभी मौसम में संपर्क बढ़ाएगा।

उमर अब्दुल्ला ने की प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ, कहा- आपने अपना वादा निभाया

सोनमर्ग (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग टनल के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि आपने अपनी बात रखी और 4 महीने के भीतर चुनाव हुए। आपने जम्मू के लोगों को अपनी सरकार चुनने का मौका दिया। इसका श्रेय आपको, आपकी टीम और चुनाव आयोग को जाता है। उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आपने (प्रधानमंत्री मोदी) अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर में अपने कार्यक्रम के दौरान तीन बहुत महत्वपूर्ण बातें कही थीं। आपने कहा था कि आप दिल की दूरी और दिल्ली से दूरी को खत्म करने पर काम कर रहे हैं और यह वास्तव में आपके काम से साबित होता है, 15 दिन के अंदर जम्मू-कश्मीर में ये आपका दूसरा प्रोग्राम है। इससे पहले आपने जम्मू को रेलवे डिवीजन की सौगात दी।

पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ महाकुम्भ का शुभारंभ, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी; संगम पर भारी भीड़

प्रयागराज (आरएनएस)। प्रयागराज के पावन संगम तट पर महाकुंभ 2025 का प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा सोमवार सूर्य की किरणें फूटने से पहले ब्रम्ह मुहूर्त में शुरू हो गया। आधी रात से ही श्रद्धालु मेला क्षेत्र में विभिन्न रास्तों से प्रवेश करने लगे और संगम पर भीड़ बढ़ने लगी। हर-हर गंगे और जय गंगा मैया के घोष के बीच स्नान शुरू हुआ तो सुबह का उजाला होते होते संगम नोज स्नानार्थियों से पट गया। संगम क्षेत्र में सोमवार से ही माह भर का कल्पवास भी प्रारंभ हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर पौष पूर्णिमा की बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, विश्व के विशालतम आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समागम 'महाकुम्भ' का आज से तीर्थराज प्रयागराज में शुभारंभ हो रहा है। अनेकता में एकता की अनुभूति के लिए, आस्था एवं आधुनिकता के संगम में साधना एवं पवित्र स्नान के लिए पधारे सभी पूज्य सन्तों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत है। माँ गंगा आप सभी की मनोकामना पूर्ण करें। महाकुंभ प्रयागराज के शुभारंभ एवं प्रथम स्नान की मंगलमय शुभकामनाएं। सनातन गर्व-महाकुम्भ पर्व।

स्थानीय और दूर दराज के जिलों से आये लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई। इस बीच पुलिस और सिविल डिफेंस के वॉलंटियर सीटियां बजाते लोगों को नियंत्रित करते रहे। स्नान के दौरान किसी को परेशानी न हो इसलिये टोलियों में फैल कर घाट पर भीड़ का संतुलन बनाये रहे। घाट पर लगे लाउडस्पीकर और हैंड लाऊडर से भी भीड़ को नियंत्रित करने का क्रम चलता रहा। संगम समेत अन्य स्नान घाटों पर सुबह 7 बजे तक भीड़ बढ़ गई। तब तक करीब 4 लाख लोगों के स्नान कर लेने का अनुमान प्रशासनिक स्तर पर लगाया गया। हालांकि, कोहरे से आज राहत रही, शीतलहर भी कम ही चली। इस बीच आसमान साफ रहा। संगम पर पौष पूर्णिमा के स्नान और महाकुंभ की गम्भीरता को देखते हुए तमाम पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी निगरानी करते रहे। पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर लाखों लोगों ने त्रिवेणी तट पर डुबकी लगाई। हर-हर गंगे के स्वर से संगम का विहंगम तट गुंजायमान हो उठा। इसी के साथ बहुप्रतीक्षित महाकुंभ का शुभारंभ भी हो गया । यूं तो सोमवार भोर 4:32 से स्नान का शुभ मुहूर्त था, लेकिन देश-देशांतर से आए श्रद्धालु आधी रात से ही स्नान करने लगे थे और यह कम जारी है ।अब तक लाखों लोग स्नान कर चुके हैं और सारे घाट श्रद्धालुओं से भरे हुए हैं।

चलो चले अपने गुरू के पास 'विद्यायतन समाधि स्मारक' डोंगरगढ़

आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज का प्रथम समाधि स्मृति महामहोत्सव 1 से 6 फरवरी 2025 तक

डोंगरगढ़ चंद्रगिरी तीर्थ (छत्तीसगढ़)। संत शिरोमणि, समाधि सम्राट आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज का प्रथम समाधि स्मृति महामहोत्सव डोंगरगढ़ में आगामी 1 से 6 फरवरी तक उनके समाधि स्थल पर श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान के साथ संपन्न होने जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री ने अपने तपस्वी जीवन के शिखर पर स्वयं ही संलेखनापूर्वक समाधिमरण रूपी कलशारोहण कर के जीवन को कैसे जीना और कैसे उपसंहार करना सिखा दिया था और छत्तीसगढ़ के इस तीर्थ क्षेत्र चंद्रगिरी डोंगरगढ़ में समाधिस्थ हो गए थे। इसी स्थान पर 'विद्यायतन समाधि स्मारक' का भव्य निर्माण किया जाना है।

तिथि अनुसार 6 फरवरी को यहां मुख्य समाधि स्मृति महा महोत्सव संपन्न होगा। कार्यक्रम के विस्तृत विवरण अनुसार 1 फरवरी से 6 फरवरी तक श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आचार्य श्री के अष्टधात्वीय 108 चरण चिन्ह की प्रतिष्ठापना एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया जा रहा है।

आयोजन हेतु नवाचार्य विद्यानिधि श्री 108 समय सागर जी महाराज ससंघ का आशीर्वाद प्राप्त है। आयोजन में पूज्यमुनि श्री आगम सागर, पूज्य मुनि श्री पुनीत सागर, ऐलक श्री धैर्य सागर जी वर्तमान में क्षेत्र पर विराजमान है।

आयोजन की तिथियां में पूज्य निर्यापक मुनि श्री समता सागर जी महाराज ससंघ सहित अन्य मुनिसंघों एवं आर्यिका संघों के पहुंचने की संभावना है। इस प्रकार इस आयोजन में भारी संत समागम सहित धार्मिक आयोजनों का लाभ समाज को मिलेगा। इस आयोजन हेतु 'विद्यायतन' आचार्य विद्यासागर समाधि स्थली चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ के अध्यक्ष श्री विनोद जैन 'बडजात्या', श्री दिगम्बर जैन चंद्रगिरी तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष सि0 किशोर जैन एवं श्री दिगंबर जैन सर्वोपयोगी धार्मिक न्यास मुंबई से श्री प्रभात जी मुम्बई ने महा महोत्सव में द्वारा देश भर की जैन समाज का आमंत्रित किया गया है।

समिति ने आमंत्रण निवेदन में अवगत कराया गया है कि पूजन विधान में इंद्राणियों को वस्त्र, आवागमन ठहरने की एवं भोजन आदि की पूर्ण समुचित व्यवस्था की गई है। सिद्ध चक्र महामंडल विधान हेतु एक मंडल हेतु पुण्यार्जन की राशि 151000 निश्चित की गई है। साथ ही अष्टधात्वीय चरण चिन्ह को स्थापना हेतु एक लाख 181000 एवं एक वृक्ष हेतु 11000 की राशि निर्धारित की गई है।

देशभर की जैन समाज से निवेदन किया गया है कि सभी इस प्रथम समाधि स्मृति महामहोत्सव में परिवार इष्टमित्रों सहित भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

आयोजन संबंधी जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9300033000, 9425531401 पर संपर्क किया जा सकता है। इस पुण्य अवसर पर धनराशि भेजने हेतु बैंक खाता विवरण निम्नवतत है-

खाते का नाम- SHRI DJCTKT VIDYASAGAR SAMADHI STHALI DG, अकाउंट नंबर-99911008 108 105, IFS CODE- HDFC 0000 919, बैंक नाम- एचडीएफसी राजनंदगांव (छत्तीसगढ़)।

गणतंत्र दिवस परेड में आमंत्रित 10,000 विशेष अतिथियों में छत्तीसगढ़ से कई अतिथि शामिल

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के अचीवर्स उन कुल 10,000 विशेष अतिथियों में शामिल हैं, जिन्हें 26 जनवरी, 2025 को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए देश भर से आमंत्रित किया गया है। इनमें आपदा राहत कार्यकर्ता, सरपंच, पीएम यशस्वी योजना विजेता, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्वयं सहायता समूह सदस्य, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्टार्ट-अप और अन्य ऐसी 31 श्रेणियों के लोग शामिल हैं। परेड देखने के लिए पूरे भारत से आमंत्रित विशेष अतिथि जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने वाले लोग शामिल हैं। 'स्वर्णिम भारत' के इन वास्तुकारों में से कुछ व्यक्तित्व के नाम इस प्रकार हैं-

- पीएम यशस्वी योजन - श्री अनुभव राठौर।
- टेक्सटाइल (हस्तशिल्प)- श्रीमती अनुराधा साहू (राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता)।
- डब्ल्यूसीडी महिला एवं बाल कल्याण (हस्तशिल्प)-श्रीमती कमला बाई।
- महिला एवं बाल कल्याण (हस्तशिल्प)- श्रीमती नोवेन राजवाडे।

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग का बड़ा फैसला, जानिए कब से लग सकती है आचार संहिता

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में आज यहां राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय नवा रायपुर, अटल नगर में कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारियों की अहम बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई इस बैठक में नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में रिटर्निंग ऑफिसर (आर ओ) और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (ए आर ओ) की नियुक्ति को लेकर निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के लिए अलग-अलग नियुक्ति की जाय। इसके साथ ही, निर्वाचन

प्रक्रिया के लिए निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन निर्धारित तिथि 15 जनवरी को सुनिश्चित करने कहा गया। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारी समय सीमा में करने निर्देशित किया गया।

बैठक में चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) पर भी विस्तार से चर्चा हुई। निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने कहा कि नगरीय निकाय निर्वाचन ई व्ही एम से कराए जाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा की एफएल सी हेतु एक प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति की जाए तथा इस कार्य हेतु आवश्यक कर्मचारी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि एफएल सी कार्यक्रम की सूचना लिखित में जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जाए तथा यह सुनिश्चित करें कि एफएल सी की प्रक्रिया प्रतिदिन समय पर प्रारंभ हो एवं निर्धारित तिथि तक पूर्ण कर ली जाए। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, राज्य निर्वाचन आयोग की उप सचिव डॉ. नेहा कपूर, डॉ. अनुप्रिया मिश्रा एवं आलोक कुमार श्रीवास्तव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी और एसडीएम सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

सीमेंट कंपनियों ने बढ़ा दिए दाम, एक बोरी का दाम 340 से 350 रुपए

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मकान बनवाने की सोच रहे लोगों को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। प्रदेश में एक बार फिर सीमेंट बनाने कंपनियों ने दाम बढ़ा दिए हैं। अल्ट्राटेक समेत कई कंपनियों ने 11 दिनों में सीमेंट के दाम 50 रुपए बढ़ा दिए हैं। ऐसे में अब ग्राहकों को एक बोरी सीमेंट 340 से 350 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। जनवरी से पहले यह कीमत 280 से 290 रुपए प्रति बोरी थी। इधर, कीमत बढ़ने से कंस्ट्रक्शन का काम प्रभावित हो सकता है।

बता दें कि बरसात खत्म होने के बाद अधिकतर कंट्रक्शन के काम शुरु किए जाते हैं। ग्रामीण इलाके के रहवासी भी बड़ी संख्या में घरों का निर्माण करते हैं। शायद यही वजह हो सकती है कि सीमेंट बनाने वाली कंपनियां इसके दाम में बढ़ोतरी कर रही है। चूंकि सीमेंट की कीमतों पर कंट्रोल करने के लिए सरकार के पास कोई नियंत्रण ही नहीं होता है। फैक्ट्री वाले कोई न कोई बहाना कर कीमत बढ़ा देते हैं। मिली जानकारी के अनुसार अल्ट्राटेक समेत कई कंपनियों ने 11 दिनों में सीमेंट के दाम 50 रुपए बढ़ा दिए हैं। ऐसे में अब ग्राहकों को एक बोरी सीमेंट 340 से 350 रुपए तक देने पड़ रहे हैं। सीमेंट सप्लायरों का कहना है कि अब बड़ा स्टॉक रखने में भी परेशानी हो रही है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 14 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

इस योजना से स्वच्छता दीदीयों के जीवन स्तर में आया सुधार

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत मिशन क्लीन सिटी योजना के तहत् नगर पंचायत क्रूरा

क्षेत्रांतर्गत वार्ड कमांक 15 स्थित एस.एल.आर. एम. सेंटर में कार्यरत स्वच्छता दीदीयों का कार्य सुबह से डोर टू डोर कलेक्शन का कार्य करते है तथा वार्ड क्रमांक 15 स्थित एस.एल.आर.एम. सेंटर में सूखे कचरे का पृथकीकरण कार्य किया जाता है, एवं गीले कचरे को कम्पोस्ट शेड के माध्यम से खाद निर्माणा का कार्य किया जा रहा है, इस कार्य से इनके आय में बढ़ोतरी भी बढ़ोत्तरी हो रही है घरों से निकलने वाले सूखे कचरे जैसे प्लास्टिक, शीशी, टीना प्लास्टिक बोतल, कार्डबोर्ड आदि विकय करके एवं गिले कचरे से खाद बनाकर विकय करके सभी स्वच्छता दीदियों की आय में वृद्धि हुई है जिससे अपने परिवार में आर्थिक योगदान प्रदान कर रही है एवं समस्त स्वच्छता दीदियों की स्वस्थ्य के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनका हेल्थ चेकअप एमएमयू वाहन के माध्यम से प्रति माह कराई जाती है, इस प्रकार स्वच्छता दीदीयों के जीवन स्तर में सुधार आया है तथा वह अपने इस कार्य से संतुष्ट व खुश है।

मोबाइल यूनिट में हुआ SHG दीदीयों का स्वास्थ परिक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्य मंत्री स्लम स्वास्थय योजना मोबाइल मेडिकल यूनिट आम नागरिको के साथ साथ निकाय में कार्यरत SHG दीदीयों के लिए भी एक वरदान है। नगर पंचायत माना कैम्प जिला रायपुर मे वार्ड क्रंमाक 14 मे SLRM सेंटर के पास मोबाइल यूनिट मेडिकल कैम्प लगाया गया था जिसमें कुल 42 मरीजों ने नि:शुल्क स्वास्थ परिक्षण करवाया जिसमे सभी की नि:शुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। 10 लोगी का लैब टेस्ट किया गया।

आयुक्त ने नेहरू प्लैनेटेरियम का शो देखा एवं अटल परिसर का निरीक्षण किया

भिलाई (विश्व परिवार)। नेहरू नगर स्थित जिम गार्डन के बगल में नेहरू प्लैनेटेरियम निगम भिलाई का बना हुआ है। जो नेशनल हाईवे के

समीप है। जिसमें वैज्ञानिकता के आधार पर आकर्षक ज्ञानवर्धक खगोलीय घटनाओं पर आधारित फिल्म दिखाया जाता है इसका समय शाम को 5:00 बजे से 7:00 तक है आधे घंटे का शो होता है उसी के अंदर पुरी खगोलीय घटनाओं के बारे में 3D फिल्म के माध्यम से बताया जाता है बैठकर देखने पर ऐसा लगता है कि देखने वाला स्वयं अंतरिक्ष में पहुंच गया है। हमारे वैज्ञानिक अंतरिक्ष के संबंध में क्या-क्या जानकारी प्राप्त किए हैं किस प्रकार से मानव अंतरिक्ष को जाना चंद्रमा की सतह अंतरिक्ष में अन्य ग्रहों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है जो बहुत ही रोमांचकारी लगता है। अंतरिक्ष में के बारे में बहुत सारे रहस्य है जिससे हम सब अनभिज्ञ है। विशेष करके स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चो और खगोलीय घटनाओं में रुचि रखने वाले लोगों के लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक है। आयुक्त राजीव कुमार पांडे नेहरू प्लैनेटेरियम में जाकर के वहां के शो को देखें बहुत प्रभावित हुए। संबंधित संचालित करने वाली एजेंसी में मैटैक्स इंजीनियर्स को अच्छे से प्रचार प्रसार करने को कहा जिससे स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों को इसकी जानकारी मिले।

महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सुविधाओं पर पूरा फोकस : अश्विनी वैष्णव

5 लेवल पर सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से मॉनिटरिंग, रेलवे बोर्ड में वार रूम : अश्विनी वैष्णव ● 12 भारतीय भाषाओं में भी होगा अनाउंसमेंट

दिल्ली (विश्व परिवार)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महाकुंभ 2025 के परिप्रेक्ष्य में प्रयागराज क्षेत्र के 9 रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से रेलवे बोर्ड द्वारा की जाने वाली मॉनिटरिंग व्यवस्था की शुरुआत की। उन्होंने 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में यात्रियों को सूचना देने के लिए तैयार की गई बुकलेट को भी जारी किया। साथ ही प्रयागराज स्टेशन पर 12 भारतीय भाषाओं में होने वाली उद्घोषणा के शुरू होने की घोषणा की। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति का महा आयोजन है। संगम में स्नान के लिए प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के लिए प्रयागराज क्षेत्र के सभी 9 स्टेशनों पर व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे महाकुंभ अवधि में भारतीय रेल द्वारा 10000 नियमित गाड़ियों के अलावा 3100 से अधिक विशेष गाड़ियों का परिचालन किया जाएगा। स्पेशल गाड़ियों की संख्या पिछले कुंभ की तुलना में साढ़े चार गुना होगी। उन्होंने कहा कि 1186 सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से सभी स्टेशनों पर नजर रखी जाएगी। सभी स्टेशनों पर विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है और इसकी निगरानी रेलवे बोर्ड स्तर पर वार रूप से की जाएगी जहां राउंड द क्लॉक सीनियर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भारतीय रेल द्वारा गंगा पुल के निर्माण के साथ-साथ बनारस - माधोसिंह- प्रयागराज लाइन की डबलिंग और फाफामऊ- जंघई लाइन की डबलिंग की गई है। यात्रियों के लिए डायरेक्शन वाइस कलर कोडेड होल्डिंग एरिया बनाया गया है और अलग-अलग दिशा के लिए अलग-अलग रंग के टिकट जारी करने की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल महाकुंभ के लिए बार कोडेड यूटीएस प्रणाली भी लॉन्च की गई है।

रेलवे बोर्ड वार रूम-प्रयागराज मेला क्षेत्र के सभी 9 स्टेशनों पर भारतीय रेल द्वारा लगभग 1200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिसे प्राप्त फीड की मॉनिटरिंग और विश्लेषण की पांच स्तरीय व्यवस्था भारतीय रेल द्वारा की गई है। हर प्लेटफार्म की गतिविधि की मॉनिटरिंग मेला परिसर में स्थापित कंट्रोल रूम से किया जाएगा। स्टेशन पर स्थापित कंट्रोल रूम से स्टेशन के सभी प्लेटफार्म और सर्कुलेटिंग एरिया की मॉनिटरिंग की जाएगी। मंडल स्तर पर भी राउंड द क्लॉक मॉनिटरिंग हेतु अधिकारियों की टीम रहेगी ऐसे ही व्यवस्था जोनल स्तर पर भी की गई है। रेलवे बोर्ड में स्थापित वार रूम में ऑपरेटिंग, कमर्शियल, सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और रेल सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तैनाती रहेगी जो महाकुंभ के लिए संचालित सभी गाड़ियों और प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों की मॉनिटरिंग करेगी। स्टेशनों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर यात्री सुविधाओं के सुचारू संचालन और आवश्यकतानुसार विस्तार के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा।

विदित हो कि प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती नदी के संगम पर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हो रहा महाकुम्भ-2025 अपनी दिव्यता एवं भव्यता से सबको आकर्षित कर रहा है। 12 वर्ष के समय-अंतराल पर आयोजित होने वाले

प्रयाग महाकुम्भ में इस वर्ष 40 करोड़ से अधिक लोगों के संगम में स्नान करने की उम्मीद है जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के लोग तो शामिल होंगे ही, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, मलेशिया, इंडोनेशिया, कनाडा, मेक्सिको सहित 100 से अधिक देशों के श्रद्धालुओं की भी भागीदारी रहेगी।

महाकुम्भ 2025 को सफल तरीके से आयोजित करने में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यात्रियों की सेवा एवं सुविधा के लिए प्रयाग क्षेत्र के 9 रेलवे स्टेशनों को विशेष तौर पर तैयार किया गया है। इन स्टेशनों में प्रयागराज जंक्शन, नैनी जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, प्रयागराज संगम, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, प्रयागराज रामबाग स्टेशन और झूंसी स्टेशन शामिल हैं।

प्रयागराज जंक्शन पर अनरिजर्व्ड क्लास के यात्रियों के प्रवेश हेतु भी अलग-अलग द्वार निर्धारित किए गए हैं, जबकि रिजर्व क्लास के यात्रियों को गेट संख्या 5 से स्टेशन में प्रवेश दिया जाएगा। होल्डिंग एरिया की कलर कोडिंग और अलग-अलग दिशा में जाने वाले यात्रियों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार की व्यवस्था दूसरे स्टेशनों पर भी की गई है। अनरिजर्व्ड टिकट प्रणाली में भी दिशा वार अलग-अलग रंग के टिकटों की व्यवस्था की गई है।

इस वर्ष मुख्य स्नान पर्व के लिए छह तिथियां निर्धारित हैं- पौष पूर्णिमा 13 जनवरी 2025, मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025, मौनी अमावस्या 29 जनवरी 2025, बसंत पंचमी 3 फरवरी 2025, माघ पूर्णिमा 12 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि 26 फरवरी, 2025. सात नए प्लेटफॉर्मों के निर्माण के साथ प्रयागराज एरिया के सभी नौ स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई है। प्रयागराज एरिया के सात नए स्टेशनों पर सेकेंड एंट्री का डेवलपमेंट किया गया है।

प्रयागराज स्टेशन के सैटेलाइट स्टेशन के रूप में सूबेदारगंज स्टेशन का विकास किया गया है। महाकुम्भ 2019 के दौरान कुल यात्रियों के 45 प्रतिशत का आगमन प्रयागराज जंक्शन पर हुआ था। अधिक स्टेशनों को चलाने के उद्देश्य से प्रयागराज, फाफामऊ, रामबाग और झूसी यार्ड की री-मॉडलिंग की गई है। प्रयागराज के सभी स्टेशनों को जोड़ने वाली सड़कों को अधिक चौड़ा किया गया है।वर्ष 2025 के महाकुम्भ को लक्ष्य में रखते हुए 17 नए अस्थाई यात्री आश्रय का निर्माण किया गया है जिसके साथ ही प्रयाग क्षेत्र में रेलवे आश्रय स्थलों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। आश्रय स्थलों की होल्डिंग कैपेसिटी 21,000 से बढ़कर 1,10,000 हो गई है।

प्रयाग क्षेत्र के सभी लेवल क्रॉसिंग गेट को बंद करते हुए 21 नए ROBs और RUBs का निर्माण किया गया है। जिससे रेल परिचालन अधिक सुगम हो गया है।

भारतीय रेल द्वारा प्रतिदिन 10 लाख से अधिक टिकट जारी करने की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रियों को टिकट लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। डिजिटल महाकुम्भ को लक्षित करते हुए बारकोड आधारित UTS सिस्टम पर टिकट लेने की व्यवस्था की गई है।सभी प्लेटफॉर्म पर फर्स्ट एड बूथ की स्थापना की गई है और सभी स्टेशन पर मेडिकल ऑब्जरवेशन रूम बनाया गया है जहां राउंड द क्लॉक डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की तैनाती रहेगी। सभी प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में 1186 सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसमें 764 नए कैमरे शामिल हैं। इनमें 116 कैमरा ऐसे हैं, जो फेस रिकॉग्नाइज करने में सक्षम हैं।

पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित तरीके से संपादित करने हेतु रेलवे द्वारा 13,000 से अधिक कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा राजकीय रेल पुलिस के लगभग 10,000 जवान भी रेलवे स्टेशन और रेलवे परिसर में यात्रियों की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। यात्रियों की सहायता के लिए 1000 से अधिक स्वयंसेवकों की सेवाएं भी रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध रहेगी। 1000 से अधिक स्वच्छता प्रहरी स्टेशन और स्टेशनों की सफाई को सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात लगे रहेंगे।

स्टेशन नंबर आने वाले यात्रियों को कुंभ की भव्यता के आलोक में स्टेशनों की दीवारों पर 20000 स्क्वायर मीटर से अधिक एरिया में कुम्भ आधारित पेंटिंग कराई गई है। यात्रियों को सुविधा के लिए सभी स्टेशनों पर नए फुट ओवर ब्रिज शौचालय रैंप इत्यादि का निर्माण कराया गया है। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को निकास द्वारा की ओर ले जाने हेतु कलर्ड फुट मार्कर की व्यवस्था की गई है।

सफाई को लेकर कोताही बर्दाश्त नहीं : कमिश्नर

स्वच्छता बेहद जरूरी, शहर की पहचान स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत कलेक्टर/निगम प्रशासक सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर शहर की सफाई को लेकर लगातार कमिश्नर सुमित अग्रवाल काफी सख्त नजर आए। उन्होंने स्वच्छता दीदीयों, सुपर वाइजर सहित स्वच्छता कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किया है कि सफाई की व्यवस्था सुचारू रूप से की जाए। इसमें कोताही बर्दाश्त बिल्कुल भी नहीं की जाएगी। इसके लिए कमिश्नर श्री अग्रवाल रोजना स्वयं सुबह से विभिन्न वार्डों में पहुंचकर साफ सफाई व्यवस्था का जायजा भी ले रहे हैं। सोमवार को सुबह नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड- कातुलबोर्ड, रायपुर नाका सहित स्टेशन रोड भ्रमण किया साथ ही साथ सफाई व्यवस्था का जायजा भी लिया।इस दौरान कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, सहायक अभियंता संजय ठाकुर, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, कुनाल, राहुल सहित टीम अमला मौजूद रहें।

वार्डों में साफ-सफाई को लेकर काफी गंभीरता बरती जा रही है। बता दें कि नगर निगम को स्वच्छता व साफ- सफाई के लिए कई राष्ट्रीय स्तर पर अवार्ड भी मिल चुका है। इस उपलब्धि को बरकरार रखने के लिए नगर के कमिश्नर सहित अधिकारी/कर्मचारी काफी एहतियात बरत रहे हैं। सफाई व्यवस्था को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग टीम नगर निगम द्वारा व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों को स्वच्छता को लेकर दिशा निर्देश जारी किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बेहद जरूरी है।शहर की पहचान स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है। वार्डों की साफ- सफाई के अलावा चौक चौराहा, गार्डन एवं सार्वजनिक स्थानों के साफ-सफाई भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को निर्देश दिए कि वह स्वच्छता के लिए कोताही न बरतें। साथ ही साथ निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि लगातार फील्ड में जाकर मानिटरिंग भी करते रहे।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद पर संगोष्ठी आयोजित

दुर्ग (विश्व परिवार)। नेहरू नगर बेलवा तालाब में आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी के जीवनी पर संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें स्वामी जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के आध्यात्मिक संस्कृति भारतीय धर्म आदि के बारे में दिए गए व्याख्यानों का मुख्य आधार था। आज के युवा उससे क्या सीख सकते हैं।

संगोष्ठी में नगर निगम भिलाई के जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया स्वामी जी जब भारत गुलाम था उस समय अमेरिका के शिकागो में जाकर धर्म संसद में भारत का वैभव भारत की संस्कृति भारत की आध्यात्मिक चेतना के बारे में दुनिया को बताया। उन्होंने हमें संदेश दिया कि उठो जागो जब तक लक्ष्य न मिल जाए तब तक चलते रहो, राष्ट्रहित, समाज हित स्वयं हित में काम करो। अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित मानव कल्याण का होना चाहिए। भारत विकास परिषद के सचिव जितेंद्र सिंह ने कहा हर युवाओं को स्वामी जी से प्रेरणा लेना चाहिए किस प्रकार कठिन परिस्थितियों में वह अपने लक्ष्य को प्राप्त किया पूरी दुनिया को एक आध्यात्मिक चेतना दिए आज हम छोटी सी परेशानियां में परेशानियों से हिल जाते हैं जबकि स्वामी जी सभी युवाओं के प्रेरणा स्रोत रहे हैं आगे भी रहेंगे हमें उनकी जीवनी उनकी लेखनी पढ़ना चाहिए उसका मनन करना चाहिए। इस अवसर पर आर्ट ऑफ़ लिविंग लिविंग के शिक्षक राजेश साहू विश्व हिंदू परिषद से शैलेंद्र परिहार पंकज चौरसिया ने भी अपना विचार रखा। संगोष्ठी के दौरान वैभव जांगड़े भारत विकास परिषद एवं भाजपा के कार्यकर्ता, अमर दास, संदीप सिंह राजपूत, डोमार सिंह, सुनील यादव, प्रिया शिधर, प्रियांशु, मुकेश, सौम्या, मोहित वाला, राज सिंह, विशाल कुमार, विधि कोठारी आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पथ विक्रेताओं के लिए वरदान

पीएम स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेता को बिना गारन्टी के लोन

पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि पीएम स्वनिधि

दुर्ग (विश्व परिवार)। शहरी पथ विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि-योजना से प्रथम किस्त दस हज़ार द्वितीय किस्त मे बीस हज़ार तथा तृतीय किस्त पचास हज़ार तक के ऋण बैंकों के माध्यम से दिलाए जाने हेतु विभाग ने निरंतर प्रयास जारी है।

अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं को योजना से जोड़कर स्वनिधि से समृद्धि के तहत दुर्ग क्षेत्र अन्तर्गत व्यवसाय करने वाले सभी पथ विक्रेताओ के परिवार के सदस्यों का सोशल प्रोफाइलिंग का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना है। ताकि इन्हें शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी दिलाया जा सके स्वनिधि से समृद्धि योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना, के साथ साथ वन नेशन वन राशन कार्ड योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी विभिन्न योजनाओं से पथ विक्रेता व उनके परिवार के सदस्यों को पात्रता के आधार पर लाभान्वित किया जाएगा।

जिला कलेक्टर/निगम प्रशासक सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी व आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन नगर पालिक निगम टीम द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के सफल संचालन हेतु हर संभव प्रयास फील्ड पर किया जा रहा है पीएम स्वनिधि योजना लाभ दिलाने। नगर निगम ने किया अपील पीएम स्वनिधि के अलावा अन्य योजना का लाभ लेने हेतु पथ विक्रेता अपना आधार कार्ड एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ कार्यालय में संपर्क करें अथवा अपने नजदीकी चॉइस सेंटर में जाकर आवेदन कर सकते हैं और योजना से लाभान्वित हो सकते हैं। बता दे कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना पथ विक्रेताओं के लिए वरदान साबित हुआ एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेता बिना गारन्टी के लोन के माधयम पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि पीएम स्वनिधि।

जो लोग परमार्थ में अपना धन लगाते हैं वह हमेशा के लिये अजर अमर हो जाते है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। परमार्थ में पैसा लगाने वाले विरले लोग ही होते हैं, लेकिन जो लोग परमार्थ में अपना धन लगाते हैं वह हमेशा के लिये अजर अमर हो जाते है, हम उस परंपरा में जीने बाले लोग है जो खुद रुखी सूखी खाते है लेकिन भगवान के आगे घी की ज्योत जलाते है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने मोदीजी की नसिया में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किये।

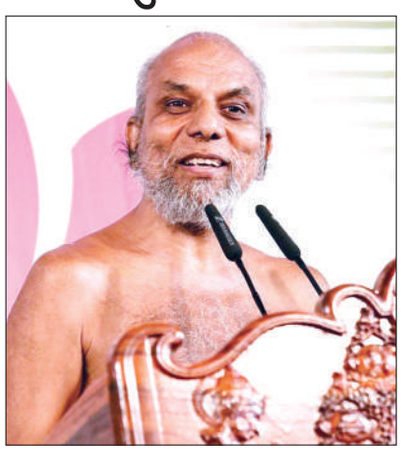

मुनि श्री ने कहा कि इंदौर शहर में धनवानों की कमी नहीं है पहले लोगों की कमाई भले ही कम थी लेकिन वह अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा पुण्य के कार्य में विनियोजित करते थे, और उसी का परिणाम यह मोदीजी की नसिया है बीच शहर में इतना बड़ा स्थान उन पूर्वजों की ही दैन है, जिन्होंने लगभग 200 वर्ष पूर्व यंहा निर्माण कार्य किया था लेकिन वर्तमान में उसके पुनरोत्थान की आवश्यकता है, आप लोगों की कमाई को देखा जाये तो पुराने लोगों की आपेक्षा ज्यादा है लेकिन वह कमाई परमार्थ में कम विषयों में ज्यादा लगती है अपने दृव्य को परमार्थ के अच्छे कार्य में लगाओगे तो वह अनंतगुणा फलेगा और पाप में लगाओगे तो वह तुम्हें बरबाद करेगा, संत कहते है कि सात कार्य करने से आपका पुण्य फलीभूत होता है एवं पूर्ण संतुष्टि मिलती है, जिनविंव जिनागार की स्थापना तीर्थ क्षेत्रों की यात्रा, भगवान की प्रतिष्ठा, शास्त्रों का प्रकाशन चतुर्विदसंघ के आहार औषधि आबास तथा उपकरण के लिये दान दैने से अनंतगुणा फल की प्राप्ती होती है।आज जो लोग भी समर्थ बने है उसका सबसे बड़ा कारण आपका उद्यम नहीं वल्कि आपका पुण्य है आप लोग इतनी बड़ी नसिया तो नहीं बना पाओगे लेकिन उसके पुनरुत्थान में यदि निमित्त बन गये तो आने बाली पीड़ियां आपको याद रखेंगी, आप लोगों ने पुनरुत्थान की जो योजना बनाई है उसमें अतिथि निवास के साथ साथ संत निवास तथा पाषाण का ऐसा भव्य जिनालय बनाइये जो इंदौर शहर की शान बन जाये उन्होंने आगामी समय में तीस कमरों बाले अतिथि निवास के लिये आशीर्वाद देते हुये कहा कि यह शहर का बहूत अच्छा स्थान है तथा समाज का केन्द्र विंदु है इसको विकसित कीजिये जिससे यंहा पर साधू संतों का आवागमन बना रहे।

इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेगसागर महाराज एवं मुनि श्री संधान सागर महाराज सहित समस्त क्षुल्लक मंचासीन थे।कार्यक्रम का संचालन अभय भैया ने किया धर्म प्रभावना समिति के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया 13 जनवरी का सांयकाल शंकासमाधान दि. जैन मंदिर गुमास्ता नगर में होकर रात्री विश्राम होगा 14 जनवरी मंगलवार को प्रात: प्रवचन एवं आहारचर्या के पश्चात दौपहर में कंचनबाग समवसरण मंदिर की ओर प्रस्थान होगा तथा शंकासमाधान एवं रात्री विश्राम यंही रहेगा 15 जनवरी बुद्धवार को प्रात:कालीन वेला मे उदासीन महिला आश्रम का सिलान्यास एवं मांगलिक प्रवचन तथा आहारचर्या संपन्न होगी।धर्म प्रभावना समिती के अध्यक्ष अशोकरानी डोसी, नवीन आनंद गोधा, महामंत्री हर्ष जैन, योगेंद्र काला सहित गुमास्ता नगर तथा समवसरण मंदिर कमेटी ट्रस्ट ने इंदौर नगर की धर्म प्रेमी जनता से अपील की है कि वह सभी कार्यक्रम में पधारकर मुनि श्री के मंगल प्रवचन का तथा शंकासमाधान कार्यक्रम का लाभ उठायें। -**अविनाश जैन**

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से दुर्ग-टूंडला के मध्य 02 जोड़ी (04) कुंभ मेला स्पेशल की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान संगम में स्नान करने के लिए प्रयागराज आने वाले यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान की जाए। उनकी यात्रा सुगम और सुखद रहे। महाकुंभ के दौरान रेलवे के दौरान 3000 स्पेशल गाडियाँ सहित 13000 से अधिक रेल गाडियाँ चलायी जाएंगी। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से पांच जोड़ी कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का 28 फेरो के लिए परिचालन किया जा रहा है।

महाकुंभ मेले के दौरान ट्रेन में होने वाली अतिरिक्त भीड़-भाड़ के दौरान रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ/सीट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा दुर्ग- टूंडला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन दुर्ग से टूंडला के बीच व्हाया रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, न्यू कटनी जंक्शन, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर प्रयागराज फतेहपुर, गोविंदपुरी इटावा के मार्ग से चलाई जा रही है।

(1) गाड़ी संख्या 08793 दुर्ग टूंडला कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 19 जनवरी 2025 को 19.20 बजे दुर्ग से रवाना होकर रायपुर 20.10 बजे, भाटापारा 21.00 बजे, उसलापुर 22.00 बजे, पेंड्रा रोड 23.48 बजे होते हुए अनूपपुर, शहडोल, कटनी, मैहर के रास्ते अगले दिन (20 जनवरी 2025 को) 11:10 बजे प्रयागराज होते हुए 20. 15 बजे टूंडला जंक्शन पहुंचेगी। (2) गाड़ी संख्या 08794 टूंडला दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 21 जनवरी 2025 को सुबह 5:00 बजे टूंडला से रवाना होकर 13:00 बजे प्रयागराज पहुंचेगी मैहर, कटनी के रास्ते होते हुए अगले दिन (22 जनवरी 2025 को) 01.50 बजे उसलापुर, 2.43 बजे भाटापारा, 3:30 बजे रायपुर, होते हुए 5:00 बजे दुर्ग पहुंचेगी। (3) गाड़ी संख्या 08795 दुर्ग टूंडला कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 15 फरवरी 2025 को 19.20 बजे दुर्ग से रवाना होकर रायपुर 20.10 बजे, भाटापारा 21.00 बजे, उसलापुर 22.00 बजे, पेंड्रा रोड 23.48 बजे होते हुए अनूपपुर, शहडोल, कटनी, मैहर के रास्ते अगले दिन (16 फरवरी 2025 को) 11:10 बजे प्रयागराज होते हुए 20.15 बजे टूंडला जंक्शन पहुंचेगी। (4) गाड़ी संख्या 08796 टूंडला दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल दिनांक 17 फरवरी 2025 को 16.00 बजे टूंडला से रवाना होकर 01:00 बजे प्रयागराज पहुंचेगी मैहर, कटनी के रास्ते होते हुए अगले दिन (18 फरवरी 2025 को) 14.20 बजे उसलापुर, 15.13 बजे भाटापारा, 16:55 बजे रायपुर, होते हुए 18:20 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 08793/ 08794 और गाड़ी संख्या 08795/ 08796 महाकुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओ के लिए छत्तीसगढ़ एवं प्रयागराज के बीच रायगढ़, बिलासपुर एवं दुर्ग, विशाखापट्टनम से पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन एवं विशाखापट्टनम गोरखपुर के साथ-साथ दुर्ग- टूंडला कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन की सुविधा

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 14 जनवरी 2025

तेरह दिनों से जीवन- मृत्यू से संघर्ष करता हुआ कुश मित्तल अंतत: इस दुनिया को हमेशा अलविदा कर दिया

नगर में शोक की लहर, बंद रही व्यवसायिक प्रतिष्ठाने शोक में डूबा शहर

आज 14 जनवरी को प्रातः 9:30 बजे होगा अंतिम संस्कार

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- नगर के प्रतिष्ठित नागरिक श्याम सुंदर मित्तल का द्वितीय पुत्र कुश मित्तल का पिछले 13 दिनों से राम कृष्णा केयर हॉस्पिटल रायपुर में इलाज चल रहा जो आज जीवन से हार मानकर इस दुनिया को अलविदा कर दिया । इस दुखद खबर की सूचना जैसे ही शहर में लगी पूरा शहर शोक में डूब गया।

जानकारी के अनुसार पिछले 1 जनवरी को अनियंत्रित कार नीलगिरी पेड़ से टकराई थी जिससे उसके परख़च्चे उड़ गए थे । वाहन में सवार विश्रामपुर व्यवसायी श्याम सुंदर मित्तल के छोटे पुत्र कुश मित्तल एवं सूरजपुर व्यवसायी हरिओम अग्रवाल के पुत्र सौम्या अग्रवाल भटगांव की ओर जा रहे थे ।भटगांव मार्ग दतीमा के बीच रेलवे क्रॉसिंग के पस नीलगिरी के पेड़ से टकरा गई जिससे कार के परख़च्चे उड़ गए।

बताया जाता है कि विश्रामपुर मित्तल क्लॉथ स्टोर एवं अंबिकापुर के इंदिरा प्लाई के संचालक श्याम सुंदर मित्तल का छोटा पुत्र 22 वर्षीय अपनी टाटा कर्व वाहन क्रमांक सीजी 29 ए जी 9262 से सूरजपुर का मित्र सौम्या अग्रवाल पिता

हरिओम अग्रवाल के साथ-साथ दतिमा की और जा रहा जा रहे थे । सौम्या अग्रवाल वाहन को तेज गति से चला रहा था जो अनियंत्रित हो कर रेलवे फाटक कि ओवरब्रिज के पास नीलगिरी वृक्ष से जा टकराया जिससे कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी।कर में सवार सौम्या अग्रवाल एवं कुश मित्तल बुरी तरह से जख्मी हो गए थे। सूचना मिलते ही विश्रामपुर थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा मौके पर पहुंच कर वहां से दोनों युवकों को बाहर निकलवाया तथा तत्काल इलाज के लिए चिकित्सालय भेज। कुश मित्तल को अंबिकापुर स्थित जीवन ज्योति ले जाया गया जबकि सौम्या अग्रवाल को पी आर ओ हॉस्पिटल सूरजपुर में भर्ती कराया गया। दोनों का गंभीर हालत को देखते हुए कुश को रायपुर स्थित रामकृष्ण हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जबकि शौम्य अग्रवाल को नागपुर रेफर कर दिया गया दोनों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही थीं। तो वही वाहन को देखने से ऐसा लग रहा था कि इसमें सवार व्यक्ति के साथ कोई बड़ी अनहोनी हुई होगी जो आज आशंका सत्य साबित हुई । 13 दोनों से जीवन मृत्यु से संघर्ष करता हुआ नगर का होनहार पुत्र कुश मित्तल इस दुनिया को छोड़कर हमेशा के लिए चल दिया। जबकि उसका साथी सौम्या अग्रवाल की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

माता-पिता दादा का तबीयत हुआ खराब- कुश मित्तल के 80 वर्षीय दादा आत्माराम मित्तल को जैसे ही उसकी मृत्यु की जानकारी मिली वह पूरी तरह से टूट गया और रोते बिलखते हुए अपने चहते नाती को याद करते रहे तो वही माता पिता का भी रो-रो कर बुरा हाल है। पूरा परिवार सदमे में है। तो वही पूरा शहर दुख में डूबा हुआ है। व्यापारियों ने शोक में अपनी दुकानों का शटर डाउन कर दिया ।आज 14 जनवरी का प्रात: 9:30 बजे रिहंत नदी के तट स्थित मुक्तिधाम में कुश का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

वी ने लॉन्च किया भारत का पहला ट्रूली अनलिमिटेड डेटा प्लान, 'नॉनस्टॉप हीरो'

रायपुर। आज की हाइपरकनेक्टेड दुनिया में बिना रूकावट के डेटा का एक्सेस बेहद ज़रूरी हो गया है। काम से लेकर पढ़ाई, स्वास्थ्य, मनोरंजन, जीवनशैली तक मोबाइल डेटा आज हर काम के लिए ज़रूरी है, ऐसे में चिंतामुक्त और भरोसेमंद डेटा की मांग पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई है। इसी ज़रूरत को पूरा करने के लिए भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज देश के पहले ट्रूली अनलिमिटेड डेटा प्लान नॉन-स्टॉप हीरो के लॉन्च की घोषणा की है। प्रीपेड उपभोक्ताओं की डेटा कोटा संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया नॉनस्टॉप हीरो प्लान वैलिडिटी की पूरी अवधि के दौरान चिंतामुक्त डेटा का अनुभव प्रदान करेगा। भारत डेटा में बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। हाल ही में सेंटर फॉर डिजिटल इकोनोमी एण्ड पॉलिसी रीसर्च द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले दशक के दौरान डेटा की खपत 288 गुना बढ़ गई है। टीआरएआई की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक देश में किफ़यती स्मार्टफोन्स की बढ़ती पहुंच के साथ इंटरनेट सब्सक्राइबरों की संख्या मार्च 2023 में 88.1 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 में 95.4 करोड़ तक पहुंच गई और प्रति यूज़र मासिक डेटा का औसत उपयोग मार्च 2024 में बढ़कर 20.27 जीबी तक पहुंच गया।

कैलिफोर्निया बादाम के साथ सेहतमंद स्वाद में घुल-मिलकर मनाएं फसलों के त्योहार का जश्न

रायपुर। भारत में फ़सलों की कटाई का सीजन बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाता है। इसे देश के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे बंगाल में मकर संक्रांति, दक्षिण में पोंगल, और अन्य जगहों पर लोहड़ी, बिहू या बैसाखी। भले ही इन त्योहारों की परंपराएं और नाम अलग हों, लेकिन हर जगह स्वादिष्ट मिठाइयों और व्यंजनों का आनंद लेना सभी को एक साथ जोड़ता है। लोग मिलकर इस मौसम की खुशियां मनाते हैं। इस बार, 2025 के त्योहार को और खास और सेहतमंद बनाने के लिए कैलिफोर्निया आमंड्स का उपयोग करें। कैलिफोर्निया के बादाम, जिन्हें ड्राय फ्रूट्स का राजा कहा जाता है, पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें 15 महत्वपूर्ण पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हैं। मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली में डायटीटिक्स की रीजनल हेड ऋतिका समद्दर ने कहा त्यौहार का मतलब खुशियां और जश्न है, लेकिन इस दौरान मिठाइयों का लालच भी बढ़ जाता है। मेरी सलाह है कि इस फसल कटाई के सीजन में पारंपरिक मिठाइयों की बजाय बादाम जैसी सेहतमंद और पौष्टिक चीजों को अपने व्यंजनों में शामिल करें। हमारी माताएं हमेशा से बादाम खाने की सलाह देती आई हैं, क्योंकि यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब विज्ञान भी इसे सही ठहराता है। 200 से अधिक वैज्ञानिक अध्ययनों ने बादाम के सेहतमंद फायदों को साबित किया है।

छात्रा का अपहरण कर किया दुष्कर्म

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के मानिकपुर चैकी क्षेत्र में एक दिल दिमाग की झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां 12वीं की एक छात्रा का अपहरण कर रायपुर में दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक घनश्याम केवट को रायपुर से गिरफ्तार किया है और पीड़िता को भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी वाहन चालक स्कूल में सामान छोड़ने आता था, जहां उसकी जान-पहचान पीड़िता से हुई। इसके बाद उसने पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया और रायपुर ले जाकर दुष्कर्म किया। मानिकपुर चैकी प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर आरोपी और नाबालिक दोनों को बरामद कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

कोयला चोरी करने वाले 15 ग्रामीण गिरफ्तार

अम्बिकापुर(विश्व परिवार)। कोयला चोरी के मामले में सरगुजा पुलिस की बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 ग्रामीणों को गिरफ्तार किया है. हालांकि, मुख्य सरगना पुलिस की गिरफ्त से अभी भी दूर हैसरगुजा पुलिस ने आज सुबह अमेरा एसीसीएल खदान में कार्रवाई करते हुए कोयला चोरी करने वाले 15 ग्रामीणों को गिरफ्तार किया है, साथ ही चोरी किए कोयला को भी जप्त किया है.दरअसल, अमेरा सीसीएल खदान से ग्रामीणों द्वारा रोजाना दो से तीन ट्रक कोयला चोरी किए जाने की लगातार शिकायत मिल रही थी. मामले में कोयला तस्करी का सरगना अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है.

छत्तीसगढ़ शौण्डिक समाज का ऐतिहासिक सम्मेलन संपन्न, मुख्यमंत्री ने दी बड़ी सौगात

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शौण्डिक समाज का दो दिवसीय ऐतिहासिक अखिल भारतीय शौण्डिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में शौण्डिक समाज के लोग शामिल हुए। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने समाज के विकास और एकता के लिए अपने शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने समाज की मांग पर जमीन देने की घोषणा की। इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना, मंत्री श्री रामविचार नेताम, श्री श्याम बिहारी जायसवाल मंत्री- छत्तीसगढ़ शासन सहित समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत प्रदेश अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि शौण्डिक समाज का समृद्धिशाली इतिहास रहा है। शौण्डिक समाज के लोग व्यापार और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान देकर देश की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रदेश शौण्डिक समाज के सामाजिक भवन के लिए

राजधानी रायपुर में भूमि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने शौण्डिक समाज की पत्रिका छत्तीसगढ़ शौण्डिक समाचार का विमोचन भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन बहुत शुभ है।पिछले साल इसी तिथि को अयोध्याधाम में भगवान रामलला भव्य मंदिर में विराजे थे। छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। मैं आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और अखिल भारतीय शौण्डिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह में देश भर से और विदेशों से भी छत्तीसगढ़ की धरती पर आए शौण्डिक समाज के प्रतिनिधियों का अभिनंदन करता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि शौण्डिक समाज ने अपनी उद्यमशीलता और कर्मठता से देश-विदेश में अपनी पहचान बनाई है। आज यहां विदेशों से भी प्रतिनिधि पहुंचे हैं वो इस बात का प्रमाण है कि दुनिया के हर कोने में आपने अपनी प्रतिभा की धाक जमाई है। छत्तीसगढ़ शौण्डिक समाज के अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के अंतिम दिन 12 जनवरी को परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें समाज के कई महत्वपूर्ण विषयों विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया बैठक यह निर्णय लिया गया है कि शौण्डिक समाज अगला राष्ट्रीय सम्मेलन पटना में किया आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में इस बैठक में प्रत्येक राज्य के अध्यक्ष, सचिव एवं आमंत्रित सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी उपस्थित रहे।

नबो चिल्ड्रंस हार्ट इंस्टीट्यूट ने 27 सप्ताह के फीटल (भ्रूण) पर डिवाइस क्लोजर के साथ दुनिया का पहला सफल फीटल एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी किया

रायपुर। मेडिकल के क्षेत्र में एक शानदार सफलता हासिल करते हुए, रेनबो चिल्ड्रेन्स हार्ट इंस्टीट्यूट, एक्सक्लूसिव पीडियाट्रिक हार्ट सेंटर में डॉक्टरों की एक मल्टी-डिस्प्लनरी टीम ने 27 सप्ताह के भ्रूण पर फीटल बैलून एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस मामले में महिला, जो कि एक गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस से पीड़ित थी, के भ्रूण को सही समय पर सटीक इंटरवेंशन से जीवित बचा लिया गया। इस उपलब्धि को अभूतपूर्व बनाने वाली बात यह है कि पंचर साइट को एक डिवाइस का उपयोग करके बंद किया गया था, एक नई और प्रमुख एप्रोच है, जिसे विश्व स्तर पर अपनी तरह का पहला माना जाता है।

इस पूरे प्रोसिजर का नेतृत्व डॉ. कोनेती नागेश्वर राव, चीफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट, डॉ. श्वेता बाखरू, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट और डॉ. श्री फणी भार्गवी धुलिपुडी, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट ने किया। साथ ही, फीटल मेडिसन स्पेशलिस्ट्स, पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट्स, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट्स और प्रसूति विशेषज्ञों की एक मल्टी-डिस्प्लनरी टीम ने रेनबो चिल्ड्रंस हार्ट इंस्टीट्यूट में अत्याधुनिक तकनीक और इंफ्रास्ट्रक्चर का पूरी तरह से समर्थन किया।

इस सफलता पर, डॉ. कोनेती नागेश्वर राव, चीफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट, रेनबो चिल्ड्रंस हार्ट इंस्टीट्यूट ने कहा कि यह उपलब्धि फीटल मेडिसन की सीमाओं को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ऐसे नाजुक और अधिक जोखिम वाले माहौल में क्लोजर डिवाइस का सफल उपयोग जन्म से पहले ही जीवन बचाने में इनोवेशन और टीम वर्क की ताकत को प्रदर्शित करता है। फीटल यानि भ्रूण पर यह प्रोसिजर, अत्यंत सटीकता के साथ की गई, क्योंकि एडवांस्ड इमेजिंग से पता चला कि एओर्टिक वाल्व में गंभीर नैरोइंग है, जो बच्चे के दिल के कार्य और पूरे अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर रहा है। इंटरवेंशन के बाद पंचर साइट को सील करने के लिए एक डिवाइस का इनोवेटिव उपयोग फीटल हार्ट केयर में एक नया स्टैंडर्ड स्थापित करता है। फीटल एओर्टिक वाल्व स्टेनोसिस से भ्रूण की मृत्यु या हाइपोप्लास्टिक लेफ्ट हार्ट सिंड्रोम हो सकता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर आरएसएस के प्रचार विभाग ने मनाई साहित्य बिक्री दिवस

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी दिन रविवार 2025 अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर धूप पुष्प अर्पित कर सभी ग्रंथालय के पाठकों स्टाफएवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रचार विभाग जिला सह प्रचार प्रमुख श्री अंबिकेश जायसवाल आशीष यादव जी की उपस्थिति में विवेकानंद जी का को याद किया गया विवेकानंद जी के विचारों पर श्री प्रशांत गहिरी ने एवं उपस्थित जिला सह प्रचार प्रमुख, ग्रंथालय प्रभारीअंकित अग्रवाल और सह ग्रंथालय प्रभारी रवि पांडे ने भी विवेकानंद जी को युवाओं के प्रेरणा स्रोत के स्वरूप में याद किया गया। समस्त विद्यार्थी पाठकों ने विवेकानंद जी के प्रेरणादायक नारा का उद्घोष करवाया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक , राष्ट्रहित, देशभक्ति साहित्य क्रय करने हेतु पाठकों को प्रदर्शनी हेतु रखा गया।

नशे के विरूद्ध आमजनों व वाहन चालकों को किया गया जागरूकता, यातायात नियमों का पालन करने दी गई समझाईश

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने ''नवजीवन'' अभियान के तहत आमजनों को नशे के विरूद्ध जागरूक करने एवं नशीले पदार्थो से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार, 13 जनवरी को चौकी प्रभारी लटोरी विराट विशी के द्वारा अम्बिकापुर-बनारस मार्ग के ग्राम लटोरी में अभियान नवजीवन के तहत ग्रामीणों एवं छत्तीसगढ़ ड्राईवर महासंगठन के सदस्यों की उपस्थिति में वाहन चालकों को नशा कर वाहन न चलाने, नशा व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक व शारीरिक विकास को किस प्रकार बाधित करता है उसकी जानकारी दी। चौकी प्रभारी ने ग्रामीणों व वाहन चालकों को कहा कि नशा कर ड्राईविंग करने वाला व्यक्ति अपनी सुध-बुध खो देता है ऐसी स्थिति में सड़क दुर्घटना की संभावना प्रबल रहती है, नशा कर

वाहन न चलाने की समझाईश दी और नशा कर गाड़ी चलाते पकड़े जाने पर गाड़ी की जप्ती और सख्त कार्यवाही करने की जानकारी देकर नशा मुक्त समाज के लिए संकल्पित किया। इस दौरान चौकी प्रभारी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करें ताकि दुर्घटना से बचा जा सके, बाईक चलाते समय हेलमेट का उपयोग अवश्य करने, हेलमेट का उपयोग नहीं करने से दुर्घटना के समय सिर में चोट लगने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है इससे बचाव के लिए हेलमेट धारण किया जाना आवश्यक है क्योंकि हमारी सुरक्षा से पूरे परिवार की सुरक्षा भी जुड़ी होती है। कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने और ओव्हर स्पीडिंग न करने की समझाईश दी। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार तुरंत निकटतम अस्पताल ले जाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ विवेकानंद सिंह ने कहा स्वामी विवेकानंद की जीवन शैली को युवा करें आत्मसात

स्वामी विवेकानंद जयंती पर स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाई गई

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह बड़ी धूमधाम के साथ मनाई गई। बिश्रामपुर नगर में संचालित स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम में बड़ी धूमधाम के साथ स्वामी जी का 163 वाँ जयंती समारोह मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर के सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेकानंद सिंह द्वारा स्वामी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। इस शुभ अवसर पर विद्यालय में विविध रंगारंग कार्यक्रम आयोजित की गई । कक्षा 9वी के छात्र शौर्य सिंह स्वामी जी की जीवंत भूमिका निभाते हुए स्वामी जी के अनमोल वचनों से लोगों के हृदय में उन्माद पैदा किया 卐 उठो मेरे शेरों इस भ्रम को मिटा दो कि तुम निर्बल हो, तुम एक अमर आत्मा हो ,स्वच्छंद जीव हो, धन्य हो, सनातन हो ,तुम तत्व नहीं हो, तत्व तुम्हारा सेवक है तुम तत्व के सेवक नहीं हो। जब तक जीना है तब तक सीखना है अनुभव ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है। स्वामी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। वहीं इस शुभ अवसर पर छात्र-छात्राओं के द्वारा

स्वामी जी के जीवन पर आधारित लघु नाटक, नृत्य एवं भाषण प्रस्तुत किए गए । जानवी , दिव्यांशी , अभिषेक , गीतांजलि, शिवांश, आश्मिनी मंडल, प्रियांशु, कुंदन चौबे, रोहित, दीपेश, संध्या, पुर्णिमा, वंश, यशमिता ,भूमि , सोफी आदि छात्राओं ने अपना सक्रिय भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

विद्यालय के प्राचार्य रमेश सिंह एवं इंग्लिश मीडियम के प्रिंसिपल उमा माइती,इला माइती ने स्वामी जी के अनमोल वचन उठो जागो तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए आत्मसात करने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया बच्चों को प्रेरित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य रमेश सिंह के द्वारा कहा गया कि यदि भारत को जानना चाहते हो तो विवेकानंद को पढ़ो । विद्यालय के सांस्कृतिक प्रभारी संगीता माइती, हिमांगिनी सिंह, एवं अन्य शिक्षक प्रीति सिंह, काजल मंडल, कर्णलता, साहिना परवीन आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस शुभ अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ विवेकानंद सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की जीवन को हर विद्यार्थी को समझना चाहिए और उनके रास्ते पर चलकर आगे बढ़ना चाहिए। विशिष्ट अतिथि राजेश यादव, कमलदेव सर, राजेंद्र पासवान के द्वारा अमृतमयी वाणी से छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर वार्ड क्रमांक- 15 के पार्षद जयप्रकाश यादव ,वार्ड क्रमांक -13 के पार्षद धर्मेंद्र सिंह एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता विनय सिंह ,गौतम सिंह प्रेम सिंह , सुबोध सिंह आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर मंगलवार 14 जनवरी 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

लोगों का प्रति महीने उपभोग खर्च बढ़ा....

बढ़े उपभोग खर्च में महंगाई की भी एक भूमिका है। सरकार की ओर से मासिक उपभोग खर्च के बारे में जारी आंकड़ों से आंकना कठिन है कि कितना उपभोग बढ़ा और कितनी वृद्धि उपभोग की चीजों की महंगाई के कारण हुई। मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग सर्वेक्षण (एमपीसीई) रिपोर्ट तो कुछ पहले आई थी, लेकिन अब केंद्र ने इसकी एक तथ्य तालिका जारी की है। इसमें भी वही दिखाने की कोशिश है कि अगस्त 2023 से सितंबर 2024 की अवधि में उसके पहले वाले वर्ष की तुलना में लोगों का प्रति महीने उपभोग खर्च बढ़ा। स्पष्टत: सरकार इसे शहर से गांवों तक में आय और खुशहाली बढने़ के प्रमाण के रूप में पेश किया है। मगर जो सवाल सर्वे रिपोर्ट जारी होने के समय उठे, उनका कोई जवाब नहीं दिया गया है। विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि सबसे ज्यादा खर्च खाद्य पदार्थों पर बढ़ा। जिस अवधि में यह सर्वे हुआ, उसमें खाद्य मुद्रास्फीति की दर ऊंची रही। फिर पुराने सर्वेक्षणों की तुलना में सर्वे विधि में जो परिवर्तन किए गए, उन्हें ध्यान में रखते हुए यह आंकना और मुश्किल हो गया है कि लोगों के उपभोग पैटर्न में सचमुच कितना बदलाव आया। खुद ताजा रिपोर्ट से ही जाहिर हुआ कि टॉप 10 प्रतिशत आबादी के उपभोग में पर्याप्त वृद्धि हुई, जबकि सबसे निचली पांच फीसदी आबादी के वास्तविक खर्च में बढ़ोतरी मद्धम रही। निचली आर्थिक श्रेणी की आबादी में जो वृद्धि दिखती है, उसमें बड़ा योगदान सरकार की तरफ से दिए जा रहे पांच किलो अनाज और प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण योजनाओं का है। जाहिर है, इसे कमाई से होने वाली आमदनी की स्थिति में सुधार नहीं कहा जा सकता। एक अन्य तथ्य यह सामने आया है कि ग्रामीण इलाकों में जो उपभोग खर्च बढ़ा, खाद्य के अलावा उसका सबसे बड़ा हिस्सा इलाज, परिवहन, वस्त्र और जूते-चप्पल के हिस्से में गया। इन चीजों की लागत में भी महंगाई की एक भूमिका है। इसलिए आंकना कठिन है कि कितना उपभोग बढ़ा और कितनी वृद्धि पहले जितनी चीजों की महंगाई के कारण हुई। ये सारे उल्लेख सरकार की नकारात्मक छवि बनाने के लिए नहीं किए जा रहे हैं। मगर अपने आंकड़ों को लेकर विश्वास का संकट खुद सरकार ने खड़ा किया है। वह सभी दायरों के विशेषज्ञों को लेकर संवाद और विश्लेषण के लिए तैयार हो, तो अविश्वास का हल निकल सकता है। क्या सरकार ऐसा करेगी?

आलेख

शून्य कार्बन उत्सर्जन पर पहुंचने का लक्ष्य2050 तक

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

वर्ष 2015 का पेरिस जलवायु समझौता धरा के तापमान को औद्योगिक चरण के आने के पहले के स्तर से 2030 तक 2 डिग्री सेल्सियस कम करने के लिए हुआ था। चूंकि पृथ्वी की गर्मी बढ़ाते कुल गैसीय उत्सर्जनों में कार्बन डाई ऑक्साइड लगभग 70 प्रतिशत है। अत: ग्लोबल वार्मिंग को 15 डिग्री से ग्रे तक सीमित रखने के लिए 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन पर पहुंचने का लक्ष्य भी वैश्विक स्तर पर अपना लिया गया है, परंतु विडंबना है, और कटु यथार्थ भी कि इसे पाने के औजार के रूप में एक ट्रेडिंग गतिविधि को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी क्रम में 10-24 नवम्बर के बीच बाकू में कार्बन बाजार पर अंतरराष्ट्रीय मानक स्थापित करना बड़ी उपलब्धि माना गया है। कॉप-29 को तो वित्तीय कॉप भी कहा गया था और कार्बन ट्रेडिंग भी वित्तीय गतिविधि ही है। वायुमंडल में मौजूद कार्बन उत्सर्जनों को हटाने और नये कार्बन उत्सर्जनों को न पहुंचने देना प्रोत्साहित हो इसके लिए 2015 में पेरिस समझौते में स्पष्ट कर दिया गया था कि कार्बन को देशों या संस्थाओं के बीच खरीदा-बेचा जा सकता है। इस लेन-देन को कार्बन क्रेडिट के रूप में परिभाषित कर हस्तांतरणीय दस्तावेज बना कर स्थापित किया गया है। यूनाइटेड नेशंस के क्योटो प्रोटोकोल (1997) और फिर 2005 में कार्बन को खरीदने-बेचने या व्यापार की जा सकने योग्य सामग्री पहले ही करार दिया जा चुका था किंतु पेरिस समझौते के अंतर्गत जो एक नया ज्यादा सुदृढ़ कार्बन ट्रेडिंग फ्रेमवर्क बनाए जाने की आवश्यकता थी, वह शुरुआती हस्ताक्षर के बाद कॉप-29 में हो सका। निस्संदेह इस अधूरे कार्य के रहते भी देशों के भीतर और देशों के बाहर कार्बन ट्रेडिंग हो रही थी किंतु एकरूप मानक न होने तथा पारदर्शिता के अभाव से अनेकों झूठे कार्बन क्रेडिटों का विश्व स्तर पर लेन-देन भी हो रहा था। ऐसे में लाखों और अरबों डॉलर के भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी भी हुई। स्वैच्छिक कार्बन बाजार में सबसे ज्यादा कार्बन क्रेडिट वो हैं जो अवनत वनों के कार्बन अवशोषक के रूप में सुधार, पुर्नस्थापना के लिए दिए जाते हैं। किंतु ये सबसे ज्यादा विवादों में भी रहते हैं। वन स्थितियों की बेसलाइन में छेड़छाड़ से ज्यादा कार्बन ऑफसेट दिखाया जा सकता है। जितना कार्बन हटाने का क्रेडिट लिया था उतना कार्बन डाइअक्साइड तो उससे हटा ही नहीं था। कॉप-29 के पहले नेचर' पत्रिका में ऐसी परियोजनाओं का अध्ययन प्रकाशित हुआ था, जिन्होंने करीब एक अरब टन कार्बन डाई ऑक्साइड के समतुल्य का कार्बन क्रेडिट कमाया था। उसमें से 15 प्रतिशत कार्बन ही कम किया था। अब खराब और अच्छे गुणवत्ता में कार्बन क्रेडिटों का वर्गीकरण या पहचान भी की जा रही है। कार्बन ट्रेडिंग में कार्बन क्रेडिटों के लेन-देन का व्यापार होता है। कार्बन क्रेडिट की एक इकाई एक मीट्रिक टन कार्बन डाइआक्साइड या उसके समतुल्य अन्य ग्रीन हाऊस गैसों को वायुमंडल से हटाने या उनको वायुमंडल में पहुंचने से रोकने पर दी जाती है। कार्बन ऑफसेट में कार्बन डाइआक्साइड या ग्रीन हाऊस गैसों को हटाया या पुनचर्क्रित किया जाता है। जो उद्यम अथवा प्रतिष्ठान उपकरणों, पद्धतियों या टैक्नोलॅजी के बदलावों से अपने कार्बन उत्सर्जन पहले की अपेक्षा कम कर देते हैं तो वे भी कार्बन क्रेडिट्स पाने के हकदार हो जाते हैं। अभी वैश्विक स्तर पर करीब दो अरब डॉलर का स्वैच्छिक कार्बन मार्केट है। यह एक खरब डॉलर तक भी पहुंच सकता है। कार्बन क्रेडिटों का उपयोग ही उन्हें यूरोपीय संघ में निर्यात जारी रखने का पात्र बनाएगा क्योंकि यूरोपीय संघ उन उत्पादों के आयात पर भी कार्बन टैक्स लगाने का मंतव्य जतला चुका है, जो उसके अपने मानकों से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन से उत्पादित हुए हैं। देशों में पेट्रोल, कोयले जैसे जीवाश्म ईधनों के उत्पादन बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित कार्बन उत्सर्जन कटौती प्रतिबद्धता लक्ष्यों को उनके खरीदे कार्बन क्रेडि्ट्सों के मुआवजे से ही पूरा करने की जरूरत होगी। चिंताजनक है कि अधिकांश देश या उद्यम दुनिया के लक्ष्यों के अनुसार अगले दो-तीन दशकों के भीतर ही कार्बन न्यूट्रल तो होना चाहते हैं किंतु इसे कोयला, पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईधनों के उपयोगों और उत्पादनों को छोड़ते हुए नहीं करना चाहते, बल्कि इसे अन्यत्र किसी को मिली कार्बन क्रेडिट खरीद कर अपने ज्यादा कार्बन उत्सर्जन की एवज में देकर पूरा करना चाहते हैं। जो प्रतिष्ठान अपने खाते में स्वयं अर्जित या किसी से खरीद कर कार्बन

महाकुंभ 2025:जहां परंपरा और परिवर्तन आत्मसात होते हैं

–अमिताभ कांत

कुंभ मेला, विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागमों में से एक है और यह आस्था, एकता और मानवता के ईश्वर से शाश्वत संबंध का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं में निहित, यह चार पवित्र स्थलों- प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक- पर अमरता का अमृत छलकने का स्मरण दिलाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रहों की एक विशिष्ट ब्रह्मांडीय स्थिति के दौरान आकाशीय संरेखण द्वारा इसका निर्धारण होता है। कुंभ मेले में शुद्धि और मोक्ष की अभिलाषा के साथ प्रत्येक 12 वर्ष में लाखों श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए एकत्रित होते हैं। समय बीतने के साथ-साथ कुंभ मेला विकसित हुआ और इसमें प्राचीन परंपराओं को आधुनिक नवाचारों के साथ जोड़ा गया। 4 फरवरी, 2019 का कुंभ मेला, मानवता के अब तक के सबसे व्यापक और शांतिपूर्ण समागम का साक्षी बना। आध्यात्मिकता में पूर्ण रूप से निहित यह विशिष्ट आयोजन आस्था, समुदाय और वाणिज्य का उत्सव है। मेलों, शैक्षिक कार्यक्रमों, संत प्रवचनों, भिक्षुओं के सामूहिक समारोहों और विविध मनोरंजन के साथ कुंभ मेला भारतीय समाज के जीवंत लोकाचार का उदाहरण है। प्रयागराज में वर्ष 2019 का संस्करण विशेष रूप से उल्लेखनीय था, जिसमें 50 दिनों के दौरान अनुमानित 24 करोड़ आगंतुकों ने भागीदारी की। इनमें से 4 फरवरी को ही 3 करोड़ श्रद्धालु शामिल हुए। प्रसिद्ध गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर आयोजित किए गए कुंभ की तैयारियों में 3,200 हेक्टेयर में फैले विशाल टेंट क्षेत्र के साथ 440 किलोमीटर की अस्थायी सड़कें, 22 पंटून पुल, लगभग 50,000 एलईडी स्ट्रीटलाइट और व्यापक स्वच्छता बुनियादी ढांचा शामिल था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्ष 2019 में कुंभ मेले का दौरा आयोजकों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करने का एक भाव था, जिन्होंने इस आयोजन को वैश्विक स्तर पर सफल बनाया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने स्वच्छता कर्मचारियों को सम्मानित किया, सम्मान के प्रतीक के रूप में उनके चरण धोए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की भावना को पुष्ट बनाते हुए कहा, कर्मठ स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करते हुए... मैं स्वच्छ भारत की दिशा में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का अभिवादन करता हूं। वर्ष 2019 के कुंभ ने स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छता के लिए नए मानक स्थापित किए।

वर्ष 2013 में सिर्फ 5,000 सामुदायिक शौचालयों की तुलना में, वर्ष 2019 के आयोजन में 122,500 शौचालय निर्मित किए गए, साथ ही 20,000 डस्टबिन और 160 कचरा उठाने वाली गाड़ियों की व्यवस्था की गई। साफ-सफाई के लिए वाटर जेट स्प्रे मशीन जैसे अभिनव उपायों ने पानी की बर्बादी को काफी हद तक कम किया और स्वच्छता कार्य को आसान बनाया। शौचालयों को सुगमता के लिए रणनीतिक रूप से रखा गया था और इसमें लिंग-विशिष्ट और दिव्यांगता-अनुकूल डिज़ाइन शामिल थे। महिलाकर्मियों की सेवा के माध्यम से महिलाओं के लिए पिंक शौचालय जबकि बुजुर्गों के अनुकूल शौचालय संचालित किए गए। सीवेज टैंकों की शुरूआत के साथ इनके उपयोग ने नदी में होने वाले प्रदूषण के जोखिम को समाप्त कर दिया। इन शौचालयों की दुर्गंध को दूर करने के लिए एक नवीन तकनीक अपनाई गई थी जिसका पहली बार वर्ष 2018 माघ मेले के दौरान परीक्षण किया गया था और फिर कुंभ 2019 में इसको उपयोग में लाया गया। इसके लिए छात्र शोधकर्ता मेला स्थल पर ही प्रतिदिन लगभग 65,000 लीटर दुर्गंधनाशक द्रव्य तैयार कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, स्वच्छाग्रहियों (स्वच्छता स्वयंसेवकों) ने स्वच्छता बनाए रखने और शौचालय के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईओटी-सक्षम मोबाइल ऐप से लैस, इन स्वयंसेवकों ने विशाल मैदान में 60,000 शौचालयों की निगरानी की, जिससे वास्तविक समय में ही समस्या का समाधान सुनिश्चित किया गया। इस पहल ने न केवल परिचालन दक्षता को बढ़ाया बल्कि स्वयंसेवकों को सशक्त भी बनाया, जिनमें से कई युवा और महिलाएं शामिल थीं। वर्ष 2017 में, यूनेस्को ने कुंभ मेले को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। वर्ष 2019 का संस्करण इस सम्मान पर खरा उतरा, जिसमें भारत की अद्वितीय व्यापकता और महत्व के आयोजनों की क्षमता का प्रदर्शन किया गया था। वर्ष 2025 प्रयागराज में महाकुंभ मेले में दुनिया भर से 30 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने की आशा है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अत्यंत व्यापक स्तर पर की गई तैयारियां अभूतपूर्व हैं। महाकुंभ की पवित्रता को बनाए रखने के साथ-साथ इसके वैश्विक स्वरूप को बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अटूट है। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की नियमित समीक्षा से लेकर तीर्थयात्रियों के कल्याण को सुनिश्चित करने तक का उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण, दोषरहित निष्पादन के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री का विजन सामुदायिक भागीदारी पर भी जोर देता है। वर्ष 2019 के अभूतपूर्व मेले की सफलताओं से प्रेरणा लेते हुए आगामी संस्करण में भक्ति, प्रौद्योगिकी और स्थिरता का एक सहज मिश्रण किए जाने का वादा किया गया है और यह नए वैश्विक मानक भी स्थापित करेगा। ध्यान देने योग्य विषयों में एक प्रमुख व्यवस्था स्थल और पहुंच का विस्तार करने से भी जुड़ी है। भीड़भाड़ से बचने के लिए उन्नत भीड़ प्रबंधन तकनीकों द्वारा समर्थित, व्यस्त दिनों में भी सुरक्षित और व्यवस्थित स्नान को सक्षम करने के लिए घाटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। प्रयागराज को प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली विशेष रेलगाड़ियों और बेहतर रेलवे नेटवर्क के साथ परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाया जा रहा है। भारी वाहनों के यातायात को प्रबंधित करने के लिए मल्टी-लेन राजमार्ग, उन्नत चौराहे और विस्तारित पार्किंग क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयागराज हवाई अड्डे का विस्तार किया जा रहा है ताकि बढ़ी हुई यात्री क्षमता को संभाला जा सके, साथ ही अंतरराष्ट्रीय तीर्थयात्रियों के लिए चार्टर्ड उड़ानों का भी शुभारंभ किया जा रहा है। लाखों तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए, अभूतपूर्व पैमाने पर सार्वजनिक सुविधाओं को उन्नत किया जा रहा है। 50,000 से अधिक पर्यावरण अनुकूल शौचालय और पोर्टेबल स्वच्छता इकाइयां स्वच्छता और सुविधा सुनिश्चित करेंगी। स्वच्छ पेयजल सुविधाएं, सौर ऊर्जा से संचालित प्रकाश व्यवस्था और विशाल आश्रय गृह भी विकसित किए जा रहे हैं, यह तीर्थयात्रियों के आराम और कल्याण की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। महाकुंभ 2025 के अनुभव को सुखद बनाने में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ड्रोन द्वारा समर्थित एआई-संचालित भीड़ नियंत्रण प्रणाली, भीड़भाड़ को रोकने के लिए वास्तविक समय पर भीड़ घनत्व की निगरानी करेगी। तीर्थयात्रियों के पास मार्गों, घाटों के समय, मौसम के अपडेट और आपातकालीन सेवाओं के बारे में वास्तविक समय की जानकारी देने वाले समर्पित मोबाइल ऐप तक पहुँच होगी। इसके अलावा, यूपीआई-सक्षम कियोस्क सहित डिजिटल भुगतान प्रणालियों के माध्यम से एक कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगा जिससे विक्रेताओं और तीर्थयात्रियों के लिए लेन-देन सरल हो जाएगा। वर्ष 2019 में शुभारंभ की गई हरित पहलों पर आधारित, स्थिरता वर्ष 2025 मेले की आधारशिला है। व्यापक रीसाइक्लिंग सिस्टम और खाद निर्माण की सुविधाओं के साथ एक शून्य-अपशिष्ट नीति संचालन का मार्गदर्शन करेगी। प्लास्टिक उपयोग को सख्ती से विनियमित किया जाएगा और पैकेजिंग एवं उपयोगिताओं के लिए बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्नत जल उपचार संयंत्र और वास्तविक समय की गुणवत्ता निगरानी प्रणाली गंगा और यमुना नदियों की पवित्रता सुनिश्चित करेगी, जबकि नदी के किनारों के आसपास बड़े पैमाने पर वनीकरण अभियान का उद्देश्य मिट्टी के कटाव को कम करना और जल प्रतिधारण में सुधार करना है। सौर पैनल और जैव-ऊर्जा प्रणाली जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मेले के बड़े हिस्से को बिजली प्रदान करेंगे, जिससे इसके कार्बन फुटप्रिंट में काफी कमी आएगी।

इस पैमाने के आयोजन के लिए सुरक्षा और संरक्षा सर्वोपरि है। एआई-संवर्धित चेहरे की पहचान तकनीक वाले 10,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे परिसर की निगरानी करेंगे, जबकि पैरामेडिक्स, अग्निशमन सेवा और आपदा प्रतिक्रिया दल सहित हजारों कर्मचारी उनके अलावा सहायता के लिए तैनात रहेंगे। उन्नत चिकित्सा सुविधाओं से लैस और टेलीमेडिसिन सेवाओं द्वारा समर्थित अस्थायी अस्पताल और क्लीनिक, उपस्थित लोगों के लिए समय पर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करेंगे।

महाकुंभ मेला 2025 एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रदर्शन भी होगा। समर्पित मंडपों में देश भर के पारंपरिक संगीत, नृत्य और कला की प्रस्तुति होगी, साथ ही कुंभ मेले के इतिहास और विज्ञान पर प्रदर्शनियां होंगी, जिन्हें वीआर अनुभवों से लैस किया जाएगा। वैश्विक आध्यात्मिक प्रमुखों और विद्वानों को शामिल करने वाले अंतरधार्मिक संवाद विभिन्न धर्मों के बीच सद्भाव और समझ को बढ़ावा देंगे। कार्यशालाओं, स्वच्छता अभियान और स्वयंसेवा के अवसरों सहित युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रमों का उद्देश्य जिम्मेदारी और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देना है।

इसकी वैश्विक अपील को बढ़ाने के लिए, बहुभाषी सूचना केंद्र और निर्देशित पर्यटन जैसी पर्यटक-अनुकूल पहल विदेशी आगंतुकों को आकर्षित करेंगी। हेरिटेज वॉक सहित आध्यात्मिक पर्यटन पैकेज, क्षेत्र के समृद्ध इतिहास को उजागर करेंगे। व्हीलचेयर-सुलभ क्षेत्र और व्यक्तिगत सहायता सहित दिव्यांगजनों के लिए समावेशी प्रावधान सभी के लिए स्वागत योग्य वातावरण सुनिश्चित करेंगे।

वर्ष 2025 का महाकुंभ मेला एक आध्यात्मिक और उत्कृष्ट प्रबंधन व्यवस्था के दिव्य स्वरूप के साथ तैयार है और यह अभूतपूर्व स्तर पर आस्था, नवाचार और स्थिरता को एक आयोजन में समाहित करेगा। यह भारत की अपनी प्राचीन परंपराओं का सम्मान करने की क्षमता को दर्शाता है, साथ ही आधुनिक प्रगति को अपनाते हुए विश्व के लाखों लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

लेखक भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं, इस लेख में व्यक्त किए गए उनके विचार व्यक्तिगत हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था के स्तंभ एनआरआई

अनुज आचार्य

पिछले दस वर्षों में भारत में प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन में 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह 2014 और 2024 के बीच कुल 982 अरब डॉलर रही। 2014 में जहां देश को 70 अरब डॉलर मिले थे, वहीं यह आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है जो 2021 में 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया था। महामारी के दौरान भी भारत को प्रवासियों से 83 अरब डॉलर हासिल हुए भारत सरकार हर दो साल के बाद 9 जनवरी को अपने प्रवासी भारतीय समुदाय द्वारा भारत के उत्थान और विकास में दिए गए योगदान को मान्यता देने के लिए प्रवासी भारतीय सम्मेलन का आयोजन करती है। इस दिन को मनाने की शुरुआत 2003 से हुई थी और तब से लेकर आज तक भारत के विभिन्न शहरों में 17 सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। इस सम्मेलन के माध्यम से प्रवासी भारतीय समुदाय को अपनी मातृभूमि से जुडने़ का मौका मिलता है तो वहीं भारत सरकार उनके योगदान को सराहती है और उनको सम्मानित भी करती है। वर्ष 2015 से प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन अब प्रत्येक दूसरे वर्ष आयोजित किया जा रहा है। इस बार प्रवासी भारतीय दिवस 2025 की थीम 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' रखी गई है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में सबसे ज्यादा नागरिक भारत के रहते हैं। फ्लिहाल भारतीय प्रवासियों की संख्या 3.5 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। इस दिन को मनाने के लिए 9 जनवरी का दिन इसलिए चुना गया था क्योंकि 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था। इस बार 18वां पीबीडी सम्मेलन 08-10 जनवरी 2025 को भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। युवा मामलों और खेल मंत्रालय की संयुक्त साझेदारी में प्रवासी भारतीय दिवस का युवा संस्करण भी आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान करेंगी और समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी। प्रवासी भारतीय दिवस वेबसाइट का शुभारंभ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2025 में भागीदारी के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत का प्रतीक होता है। वेबसाइट ओडिशा में आवास के आरक्षण की सुविधा भी प्रदान करेगी और प्रवासी भारतीय दिवस 2025 के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर रही है। प्रवासी भारतीयों के योगदान को आप यूं भी समझ सकते हैं कि वे विदेशों में कमाई करके जो धन अपने देश में भेजते हैं, जिसे धन प्रेषण या रेमिटेंस भी कहते हैं, उससे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत में प्रवासी भारतीयों द्वारा 129 बिलियन डॉलर धनराशि भेजी गई है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजा गया धन इस साल भारत के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) से बहुत ज्यादा है और यह सितंबर तिमाही तक 62 अरब डॉलर था। यह रकम देश के रक्षा बजट 55 अरब डॉलर से ज्यादा है। तुलनात्मक रूप से, भारत में भेजा गया धन पाकिस्तान (67 अरब डॉलर) और बांग्लादेश (68 अरब डॉलर) के संयुक्त सालाना बजट के लगभग बराबर है। पिछले दस वर्षों में भारत में प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन में 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह 2014 और 2024 के बीच कुल 982 अरब डॉलर रही। 2014 में जहां देश को 70 अरब डॉलर मिले थे, वहीं यह आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है जो 2021 में 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया था। 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान भी भारत को प्रवासियों से 83 अरब डॉलर हासिल करने में कामयाबी हासिल हुई थी। यहां यह बात भी काबिलेगौर है कि विदेशों में अपने आधिकारिक दौरों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रवासी भारतीयों के साथ नियमित बातचीत और भारत की विकास गाथा में प्रवासी भारतीयों के अटूट समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करना भारत और उसके वैश्विक भारतीय समुदाय के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने प्रवासी भारतीयों के ओडिशा आने पर उम्मीद जताई कि वे ओडिशा की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को देख पाएंगे। प्रवासी भारतीय दिवस का मुख्य उद्देश्य प्रवासी भारतीय समुदाय को भारत सरकार के साथ जुडने़ और अपने अनुभवों और विशेषज्ञता को भारतीय समुदाय के साथ साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इसका उद्देश्य सरकार द्वारा भारत की प्रगति बताने और प्रवासी भारतीयों से निवेश करने का आह्वान करना भी है। प्रवासी भारतीय दिवस समारोह में सम्मेलन, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनियों का आयोजन भी किया जाएगा। प्रवासी भारतीय दिवस में प्रवासी भारतीय, भारत सरकार के अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति, शिक्षाविद और व्यापार जगत के अग्रणी लोग शामिल होते हैं। यह उनके लिए नीतियों, आर्थिक अवसरों और सामुदायिक विकास पर चर्चा करने के लिए एक प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है। विदेशों में रह रहे अनेकों भारतीयों ने न केवल उन देशों की प्रगति में अपना उल्लेखनीय योगदान दिया है। अपितु अपनी अद्भुत प्रतिभा से भारत के नाम को भी चार चांद लगाए हैं। भारतीय मूल के रवि मेनन सिंगापुर के सेंट्रल बैंक मॉनेट्री अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर (एमएएस) में प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत हैं तो वसंत नरसिम्हन नोवार्टिस के लिए औषधि विकास और मुख्य चिकित्सा अधिकारी हैं। मुंबई के जन्मे रोहिंटन मिस्त्री दुनिया के जाने-माने लेखक हैं और गुजरात के 33 वर्षीय कंप्यूटर वैज्ञानिक प्रणव मिस्त्री सैमसंग में रिसर्च के उपाध्यक्ष हैं। सुंदर पिचाई इस समय गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं तो सत्या नडेला माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के सीईओ हैं। एडोब के सीईओ शांतनु नारायण हैं तो वहीं आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा हैं। इनमारसैट के सीईओ राजीव सूरी साल 2021 से इस पद पर हैं। इससे पहले वे नोकिया के सीईओ थे। भारतीय मूल के लोगों के इन नामों के अलावा अनेकों भारतीय उद्यमिता के सभी क्षेत्रों में मौजूद हैं, चाहे वह व्यवसाय हो, सूचना तकनीकी हो, स्वास्थ्य, वित्त हो या बैंकिंग। विश्व के अनेक देशों में प्रवास कर रहे भारतीय मूल के लोग भारतीय सांस्कृतिक विविधता के सच्चे संवाहक एवं राजदूत हैं और ऐसे उत्कृष्ट भारतीयों को हमारा शत-शत नमन है।

तीर्थंकर भगवान की जन्मभूमि शास्वत तीर्थ अयोध्या जी का हुआ कायाकल्प

जैन जगत की सर्वोच्च साध्वी, गणिनी प्रमुख आर्यिका 105 मां ज्ञानमती जी के मंगल प्रयास एवं आशीर्वाद से इस युग के पांच तीर्थंकरों की जन्म भूमि का हुआ कायाकल्प हुआ है।

शास्वत तीर्थ अयोध्या श्री 1008 आदिनाथ भगवान, श्री 1008 अजीत नाथ भगवान श्री 1008 सुमति नाथ भगवान श्री 1008 अभिनंदन नाथ भगवान, श्री 1008 अनंतनाथ भगवान की जन्म कल्याणक की पावन भूमि है। अयोध्या जी तीर्थ में आज बडी माता जी के मंगल आशीर्वाद से, पूज्य 105 चंदनमती माताजी के मंगल सानिध्य एवं श्री रविंद्र कीर्ति जी स्वामी के मार्गदर्शन में उन पावन भूमि का विकास बहुत तेजी से हुआ है।

पूर्व में उस जमीन पर विभिन्न लोगों का कब्जा था, और वहां पर अनैतिक कार्य होते रहते थे। जैन समाज का आवागमन बहुत कम था। उस जगह में दर्शन करने जाने में भी डर लगता था। यह सब देखकर माताजी के मन में बहुत पीड़ा हुई, बहुत दुख हुआ, माताजी 91 साल की उम्र के होने के बावजूद इस भीषण ठंड में अपने देह की परवाह न करते हुए अपने ज्ञान पुरषार्थ के माध्यम से भगवान की जन्मभूमि को संवारने का संकल्प लिया। माताजी ने वहां चातुर्मास किया, आज वहां पर यह स्थिति है की पांचो जन्म भूमि पर व्यवस्थित रूप से मंदिर का निर्माण हो चुका

मेरी अयोध्या यात्रा जैसा अनुभव किया, वह लिखा

है। वहां पर भगवान की प्रतिमा विराजमान हो चुकी है। प्रतिदिन अभिषेक पूजन हो रहा है, माता जी के आशीर्वाद से स्वामी रविंद्र कीर्ति जी के निर्देशन में वहां पर पुजारी रहते हैं, माली रहते हैं, जो वहां की देखरेख करते हैं जिससे वह स्थान सुरक्षित एवं पवित्र रहता हैं।

श्री आदिनाथ भगवान की जन्मस्थली रायगंज बड़ी मूर्ति में तो माताजी ने कायाकल्प ही कर दिया, वहां पर विशाल प्रवेश द्वार, बंसी पहाड़पुर के गुलाबी पत्थरों का और आजू-बाजू में नक्काशी किए हुए पत्थरों की श्रृंखला लगी है जो माताजी की दूरदर्शिता एवं भव्यता का प्रतीक है। अंदर में विशाल मंदिर का निर्माण हुआ है, इसमें श्री आदिनाथ भगवान की खड्गासन प्रतिमा है, पांचो तीर्थंकर भगवान की प्रतिमा है एवं श्री चन्द्रप्रभ व धर्मनाथ भगवान की विशाल प्रतिमाऐं हैं। वहां पर प्रतिदिन अभिषेक पूजन विधान संपन्न हो रहा है। धर्म की, ज्ञान की गंगा बह रही है। स्वामी जी के निर्देशन में विशाल भवन का निर्माण हो रहा है, कुछ निर्माण पहले भी हो गया है जहां पर यात्रियों के लिए सर्व सुविधायुक्त आवास उपलब्ध है।

तीन लोक की रचना का एक विशाल भव्य जिनालय भी बन गया है, एवं अन्य जिन मंदिर का निर्माण चल रहा है।

संत भवन बहुत व्यवस्थित, दो मंजिला बना हुआ है। वहां 12 महीना 24 घंटे वहां पर मैनेजर, व्यवस्था देखने वाले सभी लोग उपस्थित हैं। जो आने वाले यात्रियों का पूरा ध्यान रखते हैं। धन्य हो, धन्य है ऐसी मां जिन्होंने भगवान की जन्म भूमि को संवारने का कार्य किया।

हम सभी तो सम्मेद शिखरजी भगवान की निर्वाण भूमि बहुत जाते होंगे, लेकिन भगवान का जन्म कल्याणक की भूमि की यात्रा की विचार नही आता। माता जी का जैन जगत हमेशा ऋणी रहेगा, पूज्य माताजी उन स्थानों को संवारने का कार्य किया है, जहां पर तीर्थंकर जन्म भूमि नष्ट होने की कगार पर खड़ी थी। ऐसी मां पूज्य ज्ञानमती जी के चरणों में शत-शत नमन, और वीर प्रभु से कामना करता हूं, इतने अच्छे विचार की, अच्छी सोच रखने वाली, जिनशासन की प्रभावना में अडिग, शाश्वत तीर्थ भगवान की जन्म भूमि का विकास करने वाली मां को इतनी शक्ति, संबल प्रदान करे कि वह जैन जगत को और भी निर्देशित कर सके। और जैन समाज को उसका लाभ मिल सके।

-प्रकाश-सुमनलता मोदी,
डायरेक्टर, पारस टीवी चैनल
एक्सपर्ट पैनल सदस्य, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग भारत सरकार, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री साय आज तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव संक्रांति परब का करेंगे शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में 14 जनवरी को दोपहर 12 बजे तीन दिवसीय भव्य तातापानी महोत्सव संक्रांति परब का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को 167.25 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात देंगे, जिसमें 124.10 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित होने वाले 134 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 43.14 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 58 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के तातापानी में आयोजित इस तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ी, बॉलीवुड और भोजपुरी के कलाकारों द्वारा शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। महोत्सव के प्रथम दिन मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 300 जोड़े परिणय सूत्र में आबद्ध होंगे। तातापानी महोत्सव संक्रांति परब के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता आदिम जाति कल्याण एवं कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम करेंगे। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा एवं श्रीमती शकुन्तला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री निशा नेताम, उपाध्यक्ष श्रीमती राधा देवी सिंह देव, जनपद अध्यक्ष श्री विनय पैकरा एवं श्रीमती शारदा देवी सिंह विशिष्ठ अतिथि होंगे।

जैन रत्न प्रदीप कासलीवाल की जन्म जयंती में मेडिकल इक्विपमेंट बैंक का शुभारंभ

इंदौर (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन समाज के पितृपुरुष, समाज रत्न स्वर्गीय प्रदीपकुमार सिंह कासलीवाल की 77वीं जन्म जयंती पर आज महावीर ट्रस्ट (बाल कल्याण एवं शोध संस्थान केंद्र) एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन द्वारा आज सेवा दिवस के रूप में मनाया गया।

आज महावीर ट्रस्ट कीर्ति स्तंभ इंदौर पर समाज हेतु 'मेडिकल इक्विपमेंट बैंक योजना' का शुभारंभ अतिथि दिगंबर जैन समाज के शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पाजी कासलीवाल, पार्षद राजीव जैन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जी विनायका, महावीर ट्रस्ट अध्यक्ष अमितजी कासलीवाल, महामंत्री बाहुबली जी पांड्या, कोषाध्यक्ष आदित्य कासलीवाल के कर कमलों द्वारा शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल ने बताया महावीर ट्रस्ट द्वारा बाल कल्याण एवं मानव सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखा है जिसमें आज मेडिकल इक्विपमेंट बैंक योजना चालू कर रहे हैं जिसके लिए समाज जनों को रिकवरी बेड, स्लाइन स्टैंड, पल्स ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन किट, बैसाखी, व्हीलचेयर, मेडिकल दवाई टेबल, इलेक्ट्रिक साइकिल आदि की सुविधा नाम मात्र शुल्क पर महावीर ट्रस्ट रीगल चौराहा कार्यालय से उपलब्ध कराएंगे। ट्रस्ट द्वारा बहुत से इक्विपमेंट मंगवा लिए गए हैं और भी बहुत से बाकी है जिसे आप समाजजन जो आपके यहां पर सेवा में नहीं आ रहे हो या अपने परिवार जनों की स्मृति में देना चाहते हो वह भी यहां पर देकर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आज महावीर ट्रस्ट को मेडिकल इक्विपमेंट में श्री विमल जी अजमेर परिवार एवं श्री ब्रजेश जी कासलीवाल द्वारा भेंट किए गए, ट्रस्ट लगातार इस कार्य को वृहद स्तर पर चालू करेगा। अमित जी कासलीवाल ने बताया महावीर ट्रस्ट ने कोविड वैक्सीन में इंदौर में सबसे ज्यादा 2 लाख टीके आम जनता को लगवाकर प्रथम स्थान का केंद्र बनाया है।

महावीर ट्रस्ट द्वारा प्रोजेक्ट सुनो के अंतर्गत 6000 बच्चों के कानों का प्रशिक्षण, जांच आदि की गई है जिसमें 100 बच्चों को कान की मशीन उपलब्ध कराई गई है आज भी एक आज 7 वर्ष के बालक शशांक सिंह उज्जैन को करीब पचास हजार की दोनों कान हेतु मशीन अतिथियों द्वारा भेंट की गई।

फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश जी विनायका ने कहा कि प्रदीप जी कासलीवाल की 77वीं जन्म जयंती को पूरे देश के सोशल ग्रुप के माध्यम से सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में नमो नवकार सेवा आश्रम के बच्चों ने जैन धर्म पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी गई। फेडरेशन ने आश्रम को अनाज का सामान भेंट किया गया। कार्यक्रम का मंगलाचरण सुनीता सेठी, कुसुम पांड्या, श्रीमती मोदी, आशा सोनी पूर्व पार्षद ने किया। कार्यक्रम में महावीर ट्रस्ट के ट्रस्टी विजय काला, अशोक खासगीवाला, प्रियदर्शी जैन, फेडरेशन के रीजन अध्यक्ष विपुल अजमेरा, सचिव रितेश पाटनी, सामाजिक संसद इंदौर के महामंत्री सुशील पांड्या, राजेंद्र सोनी, आरके जैन एक्सरसाइज, अष्टापद तीर्थ के महामंत्री कीर्ति पांड्या, ललित बड़जात्या, जिनेंद्र कासलीवाल, अतुल गोईल, आशीष जैन सुत वाला, संजय पपड़ीवाला, रमेश बड़जात्या, अरविंद जैन, सतीश जैन इलाहाबाद, संजय जैन अहिंसा, चक्रेश जैन, होलासजी सोनी, ऋषभ जैन, जेके जैन फॉरेस्ट, अनिल खासगीवाल, सुरेश ठौरा, गिरीश रारा, मनीष जैन पुष्प, आदि श्रेष्ठीजन, उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भाई संजय चौधरी हुए सम्मानित

जबलपुर (विश्व परिवार)। दूरदर्शन एवं सहारा समय न्यूज चैनल के पूर्व महाकौशल संवाददाता, विगत 25 वर्षों की फोटो पत्रकारिता के अनुभवी, सोशल ग्रुप जबलपुर नगर के यशस्वी संरक्षक श्री संजय चौधरी जी को 23वें महर्षि पत्रकार सम्मान समारोह में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से, सादे परन्तु गरिमामयी कार्यक्रम में हिंदी एक्सप्रेस, स्वतंत्रत मत समाचार पत्र के संपादक गण, जबलपुर हॉस्पिटल के डॉ.धीरवानी, डॉ.सुधीर तिवारी, जादूगर एस के निगम, विजय जयसवाल एवं महर्षि चैनल के पत्रकारगणों द्वारा सम्मानित किया गया, श्री चौधरी जी को लाइफ टाइम सम्मान मिलने से सोशल ग्रुप एवं पत्रकार साथियों द्वारा हार्दिक बधाइयां व शुभकामनाएं प्रेषित की गई। **-हर्षवर्धन**

'छेरछेरा' पर 'लेखन सामग्री' का वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। दान का महत्व बताने वाले छत्तीसगढ़ के महत्वपूर्ण त्यौहार छेरछेरा पर राजेंद्र ओझा एवं किअंश ओझा साल्वे ने बच्चों को लेखन सामग्री यथा पेन, पैंसिल, रबर, शार्पनर आदि का विवरण किया जिसे पाकर बच्चे भी अति प्रसन्न हुए। नारायणी साहित्यिक संस्थान की अध्यक्ष डॉ. मृणालिका ओझा ने एक संदेश में बताया कि त्योहारों के अवसर पर बच्चों को ऐसी सामग्री वितरित की जानी चाहिए जो उनके काम आए। इसी उद्देश्य से छेरछेरा के अवसर पर चावल आदि न देकर लेखन सामग्री दी गई जो लिखने आदि के लिए उनके लिए उपयोगी होगी।

संगीत कला के क्षेत्र में प्रतिभावान गायकों को मंच देने स्वरगंगा संगीत समिति की स्थापना

रायपुर (विश्व परिवार)। संगीत कला के क्षेत्र में प्रतिभावान गायकों को मंच देने, उनकी कला को निखारने के लिए 1 नवम्बर 2022 को, हमने अपने स्वर्गीय पूजनीय पिताजी श्री बजरंग प्रसाद पनिकर की स्मृति में स्वरगंगा संगीत समिति की स्थापना की है जो लगातार प्रतिभावान कलाकारों को मंच प्रदान कर रहा हैं उल्लेखनीय बात ये हैं हमारे मंच में अवसर पाने वाले कलाकार ऐसे गायक हैं जो प्रोफेशनल सिंगर बनने की काबिलियत रखते हैं जो किसी कारणवश अवसर, अभाव के कारण वहां तक नहीं पहुच पाए, ऐसी प्रतिभा को सामने लाने का हम लगातार प्रयास कर रहे, अजय पनिकर ,संचालक स्वरगंगा संगीत समिति।

22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ मोक्षस्थल गिरनार के लिए 1500 किमी लंबी धर्म पद यात्रा के लिए जयपुर में भट्टारक जी की नसियां में सभा आयोजित : विश्व जैन संगठन

जयपुर (विश्व परिवार)। राजधानी में रविवार को नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां जैन मंदिर के बडजात्या सभागार में दोपहर 2 बजे से आयोजित सभा में 22वें जैन तीर्थंकर नेमिनाथ की गुजरात के जूनागढ़ में स्थित मोक्षस्थल गिरनार जी के लिए दिल्ली से आरंभ होने वाली धर्म पद यात्रा के लिए समर्थन सभा का आयोजन किया गया, इस सभा को विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन, दिल्ली ने संबोधित किया और सभा की अध्यक्षता अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल, अध्यक्ष महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा की गई, सुभाष जैन पांड्या अध्यक्ष, विनोद जैन कोटखावदा उपाध्यक्ष, मनीष वैद महामंत्री, राजस्थान जैन सभा, अधिवक्ता हेमंत सोगानी मानद मंत्री, पदमपुरा जैन मंदिर समिति, बाबू लाल जैन इटूंदा अध्यक्ष, विश्व जैन संगठन, जयपुर, अभिषेक जैन बिट्टू अध्यक्ष, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ सहित जयपुर शहर के विभिन्न गणमान्यों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए संजय जैन ने गिरनार जी पद यात्रा के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया समस्त समाज को जोड़ते हुए, जैन तीर्थों के संरक्षण को लेकर जागरूकता के साथ सभी को नेमिनाथ भगवान की मोक्षस्थल गिरनार जी के उनके मोक्षकल्याणक 2 जुलाई 2025 को दर्शन करने की अपील करते हुए देश की राजधानी दिल्ली से 23 मार्च 2025 प्रथम तीर्थंकर

23 मार्च 2025 को दिल्ली से आरंभ 101 दिवसीय पद यात्रा में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने किया जागरूक

भगवान आदिनाथ जन्मकल्याणक महोत्सव से शुरू हो रही 101 दिवसीय और 1500 किमी लंबी पदयात्रा को लेकर जानकारी साझा करते हुए पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सहयोग करने के लिए जागरूक किया।

राजस्थान जैन सभा अध्यक्ष सुभाष जैन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नेमिनाथ भगवान के मोक्ष स्थल गिरनार जी पर 101 दिन में उनके मोक्ष दिवस 2 जुलाई को पहुंचने वाली धर्म पदयात्रा में राजस्थान जैन सभा पूरा सहयोग करेगी और अधिक से अधिक समाज बंधुओं को इस यात्रा में जोड़ेगी।

पदमपुरा अतिशय क्षेत्र कमेटी मानद मंत्री अधिवक्ता हेमंत सोगानी ने कहा कि श्री गिरनार तीर्थ जैन समाज की आस्था का केंद्र है, जिस प्रकार की घटना पिछले काफी वर्षों से इस क्षेत्र पर हो रही है उससे बहुत पीड़ा होती है, विश्व जैन संगठन ने इस विशाल पदयात्रा का आयोजन कर समाज को नेमीनाथ मोक्ष स्थल से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है जिसमें सभी समाजबंधु अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होगे, जयपुर जैन समाज को हम सभी मिलकर एकजुट करेंगे।

सभा की अध्यक्षता कर रहे महावीर तीर्थ क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष श्रमण संस्कृति बोर्ड राजस्थान सरकार अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल ने कहा कि विश्व जैन संगठन द्वारा आयोजित विशाल पदयात्रा में पूरे देश के जैन समाज के साथ केवल जयपुर ही नहीं अपितु पूरा राजस्थान जैन समाज सम्मिलित होगा, हमारा यह सौभाग्य है कि इस यात्रा की मेजबानी करने का अवसर राजस्थान को भी प्राप्त होगा। जयपुर और राजस्थान जैन समाज पूरे तन, मन, धन से इस पद यात्रा में सम्मिलित होगा और सभी जैन तीर्थ क्षेत्रों का संरक्षण करेगा और समाज सभी वर्गों खासकर युवाओं और नवीन पीढ़ी को जागरूक करेगा।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन के साथ दिल्ली से आए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश जैन, सहमंत्री मनीष जैन, प्रचार मंत्री प्रदीप जैन और अन्य सम्माननीय सदस्यों ने सभा में सहभागिता की और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की और से संगठन की जयपुर शाखा और सभा में उपस्थित समाज और संस्थाओं के सभी अधिकारियों और सदस्यों के साथ मीडिया के बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

-आकाश जैन

आदिनाथ भगवान जी की 7 इंच और 3 किलो की रजत प्रतिमा संजय लठ्ठे द्वारा नांदणी मठ को किया प्रदान

दर्शन करने उमड़े श्रद्धालु : श्री सागर संभूशेटे

नांदणी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। नांदणी पंचकल्याण एवं मस्तकाभिषेक महोत्सव के कार्याध्यक्ष श्री सागर संभूशेटे जी ने बताया कि नांदणी के श्रावक श्री संजय लठ्ठे जी कि नांदणी मठ और परम पूज्य जीनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामीजी के प्रति बहुत ही आस्था और भक्ती हैं। इसी की वजह से धर्मानुरागी श्री संजय लठ्ठे जी नांदणी मठ के प्रत्येक कार्य में अपनी जिम्मेदारी तन, मन और धन से बहुत ही खुबी से निभाते हैं। श्री संजय लठ्ठे जी के मन में इच्छा थी कि मैं नांदणी कि श्रावक होने के नाते मेरी भी जिम्मेदारी हैं कि हमारे गांव में संपन्न होनेवाले न भूतो न भविष्यती ऐसे पंचकल्याण एवं मस्तकाभिषेक के लिए हमारे परिवार का भी कुछ योगदान हो। आचार्य भगवन श्री विशुधसागर महाराज जी ससंघ का आशीर्वाद लेकर और प. पू. जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी नांदणी जी से विचार विमर्श करने के उपरांत श्री संजय लठ्ठे जी, उनकि माता सौ कमल लठ्ठे जी, पिता नरसू लठ्ठे जी, पत्नी सविता लठ्ठे जी और बच्चे सार्थक लठ्ठे एवं साक्षी लठ्ठे ने मिलकर प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान जी कि बेंगलोर में 3 किलो और 7 इंच कि रजत प्रतिमा बनवायी। जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी, नांदणी द्वारा न भूतो न भविष्यति ऐसा नांदणी पंचकल्याण महोत्सव का आयोजन संपन्न हुआ हैं। भगवान आदिनाथजी के दर्शन हेतु उनके चरणो में लाखो भक्त पहुचे थे। नांदणी की पावन धरा विशुद्धमय हुई। नांदणी में गुंज रहा था नमोस्तु शासन जयवंत हो का नारा। आध्यात्म सरोवर के राजहंस, चर्या शिरोमणी, दिगंबराचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी की पश्चिम महाराष्ट्र में जयजयकार हो रही हैं। आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर महाराज जी ससंघ आज सांगली (महाराष्ट्र) में विराजमान हैं। आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर महाराज जी ससंघ के सानिध्य में आगामी पंचकल्याणक रुकडी महाराष्ट्र में 19 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2025 तक होने जा रहा हैं। नमोस्तु शासन जयवंत हो। **-अभिषेक अशोक पाटील**

झमाझम बारिश के बीच विख्यात जैनाचार्य अंतर्मना श्री प्रसन्न जी सागर महाराज का हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जिसने भगवान एवं गुरुओं की वाणी को चित्त लगा कर सुन लिया वो भव्यता को प्राप्त होता है: आचार्य प्रसन्नसागर जी महाराज

अंतर्मना की नगरवासियों ने की भव्य एवं गरिमापूर्ण आगवानी

छतरपुर (विश्व परिवार)। रविवार को प्रात: का नजारा उस समय बड़ा ही अदभुत हो गया जब जैन संत अंतर्मना श्री प्रसन्न सागर महाराज 14 वर्षों बाद अपने गृह नगर में प्रवेश करने बाले थे कि उसी समय झमाझम वारिश शुरू हो गयी। ऐसा लगा कि मानो स्वर्ग से इन्द्र देवता भी जैनाचार्य की भव्य आगवानी के लिए स्वयं ही पधार गए हों।

जैन समाज के प्रो. सुमति प्रकाश जैन एवं श्री पंकज जैन महर्षि ने बताया कि आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज की ढोल नगाड़ों एवं बैंड बाजो के साथ सागर रोड स्थित चंदप्रभु चैत्यालय से भव्य आगवानी की गयी। इस अवसर सकल दिगंबर जैन समाज तथा विभिन्न महिला मंडलो की महिलाओं एवं जैन मिलन द्वारा आचार्य श्री की आरती उतार कर मंगल प्रवेश की आगवानी की गयी।

तत्पश्यात आचार्यश्री सैकड़ो भक्तों के साथ बिजावर नाका, छत्रसाल चौक एवं पुरोहित चौराहे होते हुए पुरानी तहसील महलों पर पहुंचे जहां एक विशाल धर्म सभा का आयोजन किया गया। इस धर्म सभा मे छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव, खजुराहो विधायक अरविंद पटेरिया, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति सुरेंद्र चौरसिया, भाजपा नेता श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह गुड्डू भईया सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

ब्रह्मचारी तरुण भईया जी ने मंच का सरस संचालन करते हुए समस्त आयोजन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जैन समाज छतरपुर द्वारा आचार्यश्री के साथ निरंतर सेवा में संलग्न संघपति श्री दिलीप जी सुनीता जी घूमड़ जी बड़ौत गुजरात, श्री श्रवण कुमार संध्या जी नागपुर, मनोज जैन शिल्प जैन झांझरी हैदराबाद को प्रशस्ति एवं शॉल श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आचार्यश्री की पूर्व भव की पूज्य मातुश्री श्रीमती शोभा देवी जैन को भी बड़े ही आदर भाव से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अपने प्रभावी प्रवचन में श्री सहज सागर जी महाराज ने कहा कि प्रार्थना ईश्वर को नहीं बदलती है, प्रार्थना उसे बदल देती है जो इसे करता है। अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें यह स्वयं सोचना होगा कि जो हम सोचते है वो बनाना चाहते हो या जो बन सकते हो वो बनाना चाहते हैं, क्योंकि समय निकल जाने के बाद जीवन मे कुछ नहीं किया जा सकता है क्योकि बुढ़ापे में तो पाप भी नहीं होते तो पुण्य कहां से करोगे, इसलिए हाथ पैर चलने की उम्र में धर्म ध्यान कर लेना चाहिए। उन्होंने शहर में बिताये अपने बचपन के पलों को भी याद करते हुए कहा कि हे छतरपुर बालो हमने कभी ये सोचा भी नहीं था कि हम भी कभी यहाँ आकर प्रवचन करेंगें और आप सभी हमे सुन रहे होंगे, आप भी ऐसे बनिए कि लोग आपको सुनें और माने।

आचार्यश्री की ससंघ आगवानी के सुअवसर पर सागर रोड से चौक बाजार तक बहुत ही मनोहारी सजावट की गई तथा मंदिरों पर लुभावनी विद्युत सज्जा की गई। पूरे रास्ते में जैन एवं अजैन बंधुओं ने अपने घर के सामने रंगोली और गुब्बारों से मोहक सजावट कर आचार्यश्री एवं संघस्थ साधुओं की मंगल आरती कर शुभाशीष प्राप्त किया। धर्म सभा के बाद आचार्य संघ ने कोतवाली के समीप स्थित श्री नेमीनाथ जिनालय, बड़े जैन मंदिर आदि में श्री जी के दर्शन पूजन किए।पूज्य आचार्यश्री की ससंघ आगवानी एवं धर्मसभा में उपस्थित नगर के भारी जनसमुदाय के पधारने पर जैन समाज की समस्त कार्यकारिणी ने सभी का आभार ज्ञापित करते हुए जिला तथा पुलिस प्रशासन का उम्दा व्यवस्थाओं के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया है।

-नरेंद्र अजमेरा, पियूश कासलीवाल

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 14 जनवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

आईडीबीआई बैंक ने आईडीबीआई चिरंजीवी -सुपर सीनियर सिटिजन एफडी लॉन्च की

रायपुर। आईडीबीआई बैंक ने 'आईडीबीआई चिरंजीवी-सुपर सीनियर सिटिजन एफ्डी' लॉन्च की है। यह फिक्स्ड डिपॉज़िट 80 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश की गई है। इस एफ्डी में बैंक की स्टैंडर्ड फिक्स्ड डिपॉज़िट दरों के ऊपर अतिरिक्त 65 बेसिस पॉईंट्स (बीपीएस) और सीनियर सिटिजन दरों के ऊपर 15 बेसिस पॉईंट (बीपीएस) मिलेंगे।

इस एफ्डी द्वारा पेश की जा रही ब्याज दरें हैं:

अधिकतम ब्याज दर: 555 दिन की अवधि के लिए 8.05 प्रतिशत प्रति वर्ष

अन्य अवधि के लिए ब्याज दरें: 375 दिन के लिए 7.90 प्रतिशत प्रति वर्ष, 444 दिन के लिए 8.00 प्रतिशत प्रति वर्ष, 700 दिन के लिए 7.85 प्रतिशत प्रति वर्ष

होंडा ने पेश किए एलीवेट के दो शानदार ब्लैक एडिशन

नईदिल्ली। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल), जो प्रीमियम कार निर्माण में एक प्रमुख नाम है, ने आज अपनी एसयूवी होंडा एलीवेट के दो नए विशेष एडिशन ङ्कहोंडा एलीवेट ब्लैक एडिशनऔरहोंडा एलीवेट सिग्नेचर ब्लैक एडिशनलॉन्च किए। इन दोनों वेरिएंट्स को बेहद आकर्षकक्रिस्टल ब्लैक पर्ल रंगमें पेश किया गया है।ग्राहकों से मिली भारी मांग के बाद यह लॉन्च किया गया है, जो उन लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो एसयूवी के बोल्ड और प्रीमियम अनुभव को और अधिक अनूठे अंदाज में पाना चाहते हैं।होंडा एलीवेट ब्लैक एडिशनऔरसिग्नेचर ब्लैक एडिशनउन ग्राहकों के लिए परफेक्ट विकल्प हैं, जो बोल्ड लुक और प्रीमियम क्वालिटी चाहते हैं। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के प्रेसिडेंट और सीईओ, श्री तकुया त्सुमुरा ने कहा, हमारे ग्राहकों ने एक विशेष, प्रीमियम और आकर्षक एसयूवी की मांग की थी।होंडा एलीवेट ब्लैक एडिशनऔरसिग्नेचर ब्लैक एडिशनउन लोगों के लिए हैं जो स्टाइल और इनोवेशन दोनों को महत्व देते हैं। हमें विश्वास है कि ये नए एडिशन भारतीय एसयूवी बाजार में एक अलग पहचान बनाएंगे। ये एडिशन न केवल आकर्षक डिजाइन पेश करते हैं, बल्कि स्टाइल और प्रीमियम फिनिश के मामले में भी ग्राहकों की उम्मीदों को पूरा करते हैं। यह लॉन्च होंडा की उन प्रतिबद्धताओं को दिखाता है जो ग्राहकों की लगातार बदलती पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं।

मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी के उड़ान हिमाचल जॉब फेयर में युवाओं को मिली नौकरी की खुशी

बिलासपुर। मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी (एमएसयू) ने बिलासपुर जिले में संवेदना चैरिटेबल सोसाइटी, घुमारवीं के सहयोग से 'उड़ान हिमाचल: करियर कनेक्ट जॉब फेयर 2025' का सफल आयोजन किया जिसका समापन उम्मीदवारों और भर्ती करने वाली कंपनियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ हुआ। जॉब फेयर का आयोजन हिमाचल प्रदेश में नौकरी चाहने वालों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किया गया था। इसका उद्घाटन हिमाचल प्रदेश के तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री श्री राजेश धर्माणीजी ने किया। श्री धर्माणी ने चयनित उम्मीदवारों को नौकरी के प्रस्ताव-पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि 'उड़ान हिमाचल' हमारे युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मैं इस प्रभावशाली कार्यक्रम के आयोजन के लिए मेधावी कौशल विश्वविद्यालय और संवेदना चैरिटेबल सोसाइटी को बधाई देता हूं। मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी के सह-संस्थापक और प्रो-कुलपति श्री कुलदीप सरमा ने कहा, 'मेधावी स्किल्स यूनिवर्सिटी में हम मानते हैं कि हमारा मिशन उद्योग और शिक्षा के बीच एक उत्पादक सेतु के रूप में कार्य करना है।

सैमसंग ने भारत में अगली गैलेक्सी एस सीरीज़ के लिए प्री-बुकिंग शुरू की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूकमर इलेक्ट्रॉनिक्सॉ ब्रांड सैमसंग ने आज अपनी नई गैलेक्सी एस सीरीज़ स्मा र्टफोन की प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। यह नई सीरीज़ एआई टेक्नोलॉजी में एक नया अध्याय जोड़ेगी। इसमें प्रीमियम इनोवेशन्सप शामिल हैं, जो आपके हर दिन को और भी आसान और स्मार्ट बना देंगे। ग्राहक सिर्फ 2000 रुपये का टोकन भुगतान करके Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स और प्रमुख ऑनलाइन और ऑफ्लाइन रिटेल स्टोर्स पर अपनी गैलेक्सी एस सीरीज़ बुक कर सकते हैं। प्री-बुकिंग करने वाले ग्राहकों को 5000 रुपये तक के फायदे और नए गैलेक्सी डिवाइस को सबसे पहले इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों के लिए कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

अधिकारियों के मध्य हुआ कार्य विभाजन

नारायणपुर(विश्व परिवार)। 26 जनवरी 2025 गणतंत्र दिवस मनाये जाने हेतु 07 जनवरी को जिला कार्यालय के सभा कक्ष में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों का आयोजित बैठक किया गया। गणतंत्र दिवस के समस्त तैयारियों के लिये प्रभारी अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग होंगे। 26 जनवरी 2025 के अवसर पर सभी शासकीय, सार्वजनिक भवन एवं राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों पर रात्रि में राशनी किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज प्रात: सूर्य उदय के पश्चात फहराया जाना तथा सूर्यास्त के पूर्व उतारे जाने का प्रावधान है, जिसका पालन किया जाना अनिवार्य होगा। जिला मुख्यालयों में स्थित शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण कार्यक्रम प्रात: 8 बजे के पूर्व सम्पन्न कर लिया जाए ताकि कार्यालयों के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्यालयों में ध्वजारोहण के पश्चात मुख्य समारोह स्थल पर अपनी उपस्थिति देंगे। जिला मुख्यालय में शासन द्वारा विनिर्दिष्ट मंत्री द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा तत्पश्चात् मत्री द्वारा मुख्यमंत्री के जनता के नाम संदेश का वावन किया जायेगा। मुख्यमंत्रीजी के संदेश की प्रति तथा कार्यक्रम के दौरान फोटोग्राफी की व्यवस्था जिला जनसंपर्क अधिकारी द्वारा किया जाएगा। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर के मैदान में मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण पश्चात् पुलिस एवं नगर सेनिक की टुकडियों के द्वारा सलामी (गार्ड आफ ऑनर) ली जायेगी। रिहर्सल एवं अंतिम अभ्यास 24 जनवरी को समय प्रात: 9 बजे पुलिस अधीक्षक नारायणपुर की उपस्थिति में होगा। गणतंत्र दिवस समारोह के लिए बैठक व्यवस्था के संबंध में निर्णय लिया गया है कि आमत्रितों को बैठने अतिविशिष्ट व्यक्तियों के लिये कुर्सियों पर आरक्षण सबंधी स्लिप चस्पा किया जायेगा। इस हेतु प्रभारी अधिकारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी नारायणपुर एवं कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग रहेंगे। पत्रकारगण मीडिया से संबंधितों को बैठाने के लिये जनसंपर्क अधिकारी को अधिकृत किया गया है। मुख्य समारोह स्थल एवं मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा व्यवस्था पुलिस विभाग द्वारा किया जावेगा। बेरीकेडिंग के लिये आवश्यकतानुसार पास एव बल्लियों वनमण्डलाधिकारी के द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। पर्याप्त मात्रा में दरी, कुर्सियों की व्यवस्था मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद्, लोक निर्माण विभाग की होगी। वन विभाग तथा लोक निर्माण विभाग बांस एवं बल्लियों के लिये आपस में समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्था करेंगे। गणमान्य अतिथियों, सम्मान प्राप्त करने वाले अधिकारी कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं शहीदों के परिजनों की बैठक पण्डाल व्यवस्था का दायित्व लोक निर्माण विभाग का होगा। वाहनों की पार्किंग व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस विभाग की होगी। आमंत्रण पत्रों की छपाई का कार्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नारायणपुर द्वारा किया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागीय कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियो आदि को सम्मानित किया जायेगा। संबंधित विभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों की जानकारी अपर कलेक्टर (सामान्य शाखा) को प्रस्तुत करेंगे। जिनके द्वारा उनकी सूची तैयार की जाएगी एवं उनको आमत्रित किया जाएगा। मुख्य समारोह स्थल बालक उच्चत्तर माध्यमिक शाला नारायणपुर के मैदान की आवश्यक साफ-सफाई तथा पानी का छिडकाव नगरपालिका परिषद् द्वारा किया जाएगा।

कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न कार्यो का किया औचक निरीक्षण

साईं मंदिर, छिंद तालाब, देवरनीन तालाब, नया तालाब एवं क्रीडा परिसर का किया अवलोकन

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने शनिवार को नगर पालिका प्रशासक राकेश गोलछा एवं सीएमओ की मौजूदगी में नगर पालिका परिषद गरियाबंद क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यो का औचक निरीक्षण किया। साथ ही गरियाबंद नगर के छिंद तालाब, देवरनीन तालाब और नया तालाब का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने साईं मंदिर परिसर में विकसित किये जा रहे उद्यान के कार्यो का अवलोकन कर सभी कार्यो को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर के सिविल लाईन स्थित क्रीडा परिसर का भी अवलोकन किया। वहां हो रहे निर्माण कार्यो का जायजा लेते हुए हरीतिमा वातावरण विकसित करते हुए क्रीडा परिसर को हरियालीमय रूप में विकसित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गार्डन के भीतर चारों ओर अच्छे से गार्डनिंग करें एवं मैदान पर हरे घास लगाएं। उन्होंने आवश्यक घास, पौधे, फूल एवं अन्य प्राकृतिक चीजों से क्रीडा परिसर को आकर्षक बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने शहर में स्थित छिंद तालाब, देवरनीन तालाब और नया तालाब का निरीक्षण करते हुए भी जल संचय बढ़ाने, तालाबों के गहरीकरण एवं साफ-सफाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए भी आवश्यक कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये।

जिला चिकित्सालय सुकमा : मोतियाबिंद के 102 मरीजों का हुआ सफल ऑपरेशन

मरीजों ने छत्तीसगढ़ सरकार को दिया धन्यवाद

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। जिले के दूरस्थ वनांचलों में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा लगातार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों में संस्थागत प्रसव की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा लगातार फील्ड भ्रमण कर लोगों का स्वास्थ्य जांच सह उपचार किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला चिकित्सालय सुकमा में 10 जनवरी शनिवार को मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर सम्पूर्ण जिले कि मोतियाबिंद के मरीज ऑपरेशन कराने के लिए पहुँचे। शिविर के माध्यम से प्रशिक्षित चिकित्सकों के द्वारा 102 मोतियाबिंद मरीजों का सफलता पूर्वक हुआ ऑपरेशन किया गया। नि:शुल्क ऑपरेशन के हो जाने पर मरीजों और उनके परिजनों में खुशी देखी गई। मरीजों ने छत्तीसगढ़ सरकार और जिला प्रशासन सहित चिकित्सकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। मोतियाबिंद ऑपरेशन को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग के जॉइंट डायरेक्टर डॉ केके नाग, सीएचएममो डॉ कपिल कश्यप, सिविल सर्जन डॉ एमआर कश्यप, आई सर्जन डॉ विवेक, नेत्र सहायक अधिकारी श्री पियूष साहू, श्री चंद्र प्रकाश साहू, श्री मान सिह साहू, श्री कार्तिक डडसेना, श्री सचिन वैध, स्टॉफ नर्स दीपिका राव और ओ टी अटेंडर दूधी हूंगा का सराहनीय योगदान रहा।

प्राकृतिक रूप से सबसे स्वतंत्र चकित्सा पद्धति है इलेक्ट्रो होम्योपैथी - रंजना

धमतरी(विश्व परिवार)। हरदिहा साहू समाज भवन धमतरी में डॉ काउंट सीजर मैटी जयंती समारोह एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी डाक्टर्स महासम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश भर के इलेक्ट्रो होम्योपैथी डाक्टर्स शामिल हुए और अपने अपने विचार रखे, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रंजना साहू रही जहाँ उन्होंने इस चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डालते हुए कहा डाक्टर्स की सेवा ईश्वरीय शक्ति की तरह होती है,और आज के समय में जहाँ बड़े बड़े अस्पतालों में एक ही दिन में लाखों रुपए मरीज के लूट लिए जाते हैं वहीं इलेक्ट्रो होम्योपैथी चंद रुपयों में उससे अधिक सार्थक चिकित्सा उपलब्ध कराती है और वो भी प्राकृतिक तरीके से जो किसी भी तकलीफ़का मूल नाश कर पुन: स्वस्थ बनाने में अत्यधिक कारगर सिद्ध होती है,आज के समय में खास कर ग्रामीण मरीजों में जो विश्वास होम्योपैथी चिकित्सकों ने बनाया है उससे एक नई आस और उम्मीद दिखती है क्योंकि प्राकृतिक रूप से सबसे स्वतंत्र चिकित्सा पद्धति कोई है तो वो इलेक्ट्रो होम्योपैथी है। उक्त अवसर पर डॉ ए के गजपाल, भाजपा युवा मोर्चा जिला महामंत्री जय हिंदुजा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ड्रिंक एंड ड्राइव कार्यवाही से नाराज हुए भाजपा जिला अध्यक्ष

बलरामपुर(विश्व परिवार)। ड्रिंक एंड ड्राइव की कार्रवाई से नाराज भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह और उनके समर्थकों ने पुलिस को धमकाते हुए कोतवाली के सामने जमकर हंगामा मचाया. घटना का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधते हुए इसे 'सत्ता का घमंड' बताया है, वहीं भाजपा ने इस घटना पर संज्ञान लेने की बात कही है.दरअसल, बीती रात बलरामपुर कोतवाली पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों की सघन जांच की जा रही थी. पुलिस की कार्रवाई से नाराज भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अपने समर्थकों के साथ मौके पर कोतवाली प्रभारी को धमकाते नजर आए. यही नहीं पुलिस कार्रवाई के विरोध में वे सड़क पर लेट गए. इस पूरे वाकये का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो गया. मामले में कोतवाली प्रभारी भापेंद्र साहू ने बताया कि घटना 10 तारीख़ की रात करीब 12 की है. ड्रिंक एण्ड ड्राइव को लेकर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान कुसमी का निवासी एक युवक को शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा गया था. इसके बाद अजीत सिंह अपने समर्थकों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और युवक को छोड़ने की बात कहने लगे. कोतवाली प्रभारी ने बताया कि अजीत सिंह को स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन अजीत सिंह और उनके समर्थकों ने विवाद की स्थिति निर्मित कर दी. हालांकि, उक्त युवक के खिलाफकोतवाली पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चलाने के मामले में कार्रवाई की है. इसके साथ लगभग आठ लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी पुलिस ने किया है.कांग्रेस ने घटना को हाथों-हाथ लेते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसे भाजपा नेताओं की दबंगई का नया अध्याय बताते हुए लिखा है कि बलरामपुर भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने थाने के सामने जमीन पर लेटकर ऐसा तमाशा किया, मानो कानून-व्यवस्था उनकी जागीर हो. थाना प्रभारी को सरेआम धमकी दी ङ्क नशे में गाड़ी चला रहे लोगों को तुरंत छोड़ो, वरना दो दिन में तुम्हारी कुर्सी खिसकवा देंगे. इसके साथ कड़ी टिप्पणी करते हुए लिखा, 'ये है सत्ता का घमंड, जो कानून को भी अपने कदमों में झुकाने पर तुला है! भाजपा के यही तौर-तरीके जनता के सामने उनकी असलियत उजागर करते हैं.'स्थानीय स्तर पर मची छिछालेदर और कांग्रेस के मुद्दे को उठाने के बाद अब भाजपा ने घटना पर संज्ञान लिया है. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि इस पर विचार किया जा रहा है.

कलेक्टर ने किया सुदूरवर्ती गांव कच्चापाल का निरीक्षण

इंद्रावती स्व सहायता समूह को मिला मिनी राईस मिल, कलेक्टर ने किया शुभारंभ

नारायणपुर(विश्व परिवार)। नियद नेल्ला नार योजना अंतर्गत संचालित किये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं का कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं और पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार द्वारा सुदूरवर्ती गांव कच्चापाल पहुंचकर निरीक्षण किया गया। उन्होंने ग्राम वासियों का घोटुल में शिविर लगाकर बारी-बारी से सभी सदस्यों की जानकारी लेकर शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित करने के निर्देश उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा करते हुए आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक पासबुक, महतारी वंदन, जाति प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र के संबंध में जानकारी लेकर जिन हितग्राहियों का नहीं बना है उनका एक सप्ताह के भीतर बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। ग्राम कच्चापाल में 27 परिवार हैं, जिनकी जनसंख्या 137 है। कलेक्टर ने ग्राम कच्चापाल में सड़क, पुल पुलिया, नल जल योजना, आधार कार्ड, राशन कार्ड बनाकर सभी परिवारों को चावल उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने शिविर में महिलाओं से चर्चा करते हुए कहा कि पढ़े-लिखे होने का लाभ उठाते हुए गांव को विकास की ओर बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। कलेक्टर ममगाईं ने सभी ग्रामीणों से कहा कि अपने बच्चों को शिक्षित करें और गांव के विकास में सहभागिता बनाएं। उन्होंने शिविर में गांव के नवयुवकों को रोजगार से जोड़ने के लिए सब्जी की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने उद्यानिकी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर प्रतिष्ठा ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव के पढ़े-लिखे महिलाओं को शिक्षादूत के कार्य से जोडें ताकि गांव के बच्चों को शिक्षित बनाने में अपनी योगदान दे सकें। उनहोंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीणों का सर्वे कर ग्रामीणों को उल्लास योजना के तहत् पढ़ाई करवाएं। उन्होंने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने-अपने विभागीय योजनाओं को शत प्रतिशत लागू करने के लिए निर्देशित किया। शिविर के पश्चात कलेक्टर ममगाई ने इंद्रावती स्व सहायता समूह के सदस्यों द्वारा जनदर्शन में किये गये मांग को पूरा करते हुए उनके गांव पहुंच कर मिनी राईस मिल का शुभारंभ किया। शिविर में ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत भवन, उप स्थवास्थ्य केन्द्र, खेल मैदान, क्रिकेट, व्हालीबाल और फुटबाल किट सामग्री प्रदाय करने की मांग की गई, उनके मांग को कलेक्टर एसपी ने शीघ्र पूरा करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने ग्राम के नवयुवकों को सवारी गाड़ी खरीदने के लिए प्रेरित किया। शिविर के पश्चात् कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ ग्राम कच्चापाल का भ्रमण कर गांव का अवलोकन किया। निरीक्षण के पश्चात् कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र और रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विद्यामंदिर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासु जैन, एसडीएम अभयजीत मण्डावी, सहायक आयुक्त डॉ. राजेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद, सीएमएचओ डॉ. एस. एस. राज, जनपद सीईओ लोकेश चतुर्वेदी सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चाइनीस नायलॉन मांजा पर आज बड़ी कार्रवाई की गई

रायपुर (विश्व परिवार)। मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी का त्यौहार मनाया जा रहा है। लेकिन बहुत सारे व्यापारी कार्रवाई करने के बाद भी चोरी छिपे चाइनीस मांझा एवं नायलॉन का धागा बेच रहे हैं। जिससे राहगीरों को बहुत तकलीफ होती है। कभी-कभी पतंग का धागा फस करके बड़ा एक्सीडेंट कर देता है। इस देखते हुए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली प्रमुख मार्केट में जाकर के पतंग धागा विक्रेताओं पर कार्रवाई की गई। ताज पतंग सेंटर, सुगंधी पतंग सेंटर, में कार्रवाई करते हुए जप्ती बनाया गया, चालान काटा गया। इसके साथ ही सभी प्रमुख पतंग विक्रेताओं के यहां दविश दी गई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल ने सभी पतंग विक्रेताओं एवं नागरिकों से से अपील की है, कि त्योहार खुशी से मनाए, लेकिन दूसरे के सुरक्षा का भी ध्यान रखें। किसी भी प्रकार का चाइनीस मांझा एवं नायलॉन धागा बेचना प्रतिबंधित है । सब सहयोग करें उत्साह एवं धार्मिक परंपरा के साथ त्योहार मनाए। दूसरे का ध्यान रखते हुए। कार्रवाई के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन बंजारे, अनिल मिश्रा, अंकित सक्सेना, अपने दल के साथ उपस्थित रहे। जनसंपर्क विभाग, नगर पाली निगम, भिलाई।

वैज्ञानिक सोंच जागृत करने विज्ञान माडल प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

बच्चों में दिखा गजब का उत्साह

आरंग। शनिवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में बच्चों में वैज्ञानिक सोंच जागृत करने के उद्देश्य से विज्ञान माडल प्रदर्शनी का आयोजन किया। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए एक से

बढ़कर एक माडलों का प्रदर्शन किया। जिसमें कक्षा आठवीं के छात्र भव्य धीवर प्रथम,कक्षा छठवीं से अनामिका साहू द्वितीय तथा कक्षा सातवीं की कुमारी त्रिवेणी धीवर तृतीय स्थान पर रहीं।सभी प्रतिभागियों को शालेय प्रबंधन की ओर से पेन तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रतीक चिन्ह व पेन भेंटकर कर पुरस्कृत किया गया। संस्था के वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल ने बताया विज्ञान माडल प्रदर्शनी को लेकर बच्चों में गजब का उत्साह दिखा। बच्चों ने स्वच्छता,जल तथा पर्यावरण संरक्षण इत्यादि विषयों पर कबाड़ से जुगाड से माडल बनाए जो बड़ा ही आकर्षण का केंद्र रहा।इस अवसर पर संस्था प्रमुख के के परमाल, वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल,अशोक चंद्राकर, सूर्यकांत चन्द्राकार, दीनदयाल धीवर, डिलेश्वर प्रसाद साहू, शिक्षिका श्रीमती संगीता पाटले, नवीन प्राथमिक शाला चरौदा से सुशील कुमार आवडे, जीतेंद्र यदु, शिक्षिका पायल शुक्ला,प्रभा साहू, सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की उपस्थिति व सहभागिता रही। माडल प्रदर्शनी के आयोजन संयोजन में विशेष योगदान शिक्षक सूर्यकांत चन्द्राकार व दीनदयाल धीवर का रहा।

स्वजातीय स्वर्णकार समाज छत्तीसगढ़ का नववर्ष मिलन कार्यक्रम संपन्न

बिलासपुर। केन्द्रीय समिति स्वजातीय स्वर्णकार समाज छत्तीसगढ़ का दिनांक 12/01/25 दिन रविवार को सामाजिक कैलेंडर 2025का विमोचन और समाज का नव वर्ष मिलन समारोह होटल विनायक तेलीपारा बिलासपुर आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में शामिल समिति के फाउंडर मेंबरों और पदाधिकारियों की उपस्थिति में धूम धाम के साथ नव वर्ष मिलन की खुशी मनाई गई । उपस्थित फाऊंडर मेंबरों को और पदाधिकारियों को प्रशस्ति एवं नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

दपूमरे के बैकुंठपुर-सिलियारी सेक्शन में गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा ।

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास के कार्यों को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है । इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत बैकुंठपुर-सिलियारी सेक्शन में रोड अंडर ब्रिज निर्माण के लिए बॉक्स पुशिंग हेतु रिलीविंग गर्डर की लांचिंग की जाएगी । इस कार्य के लिए दिनांक 16, 17 एवं 18 जनवरी 2025 को ट्रैफिक कम पावर ब्लाक लिया जाएगा । इस कार्य के पूर्ण होते ही सड़क मार्ग के उपयोकर्ताओं को सुविधा के साथ ही गाडियों के परिचालन में गतिशीलता आयेगी । इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा । जिसका विवरण इस प्रकार है: रद्द होने वाली गाडियां दिनांक 16 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमु स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 16 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमु स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 16 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 68733 गेवरा रोड- बिलासपुर मेमु स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 16 एवं 17 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 17 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 68727 बिलासपुर-रायपुर मेमू स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 18 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 58201 बिलासपुर-रायपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 18 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 58207 रायपुर-जूनागढ़ रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी । दिनांक 19 जनवरी 2025 को गाडी संख्या 58208 जूनागढ़- रायपुर रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी ।

छत्तीसगढ़ को प्रभतेज ने किया गौरवान्वित

BCCI के बने नए कोषाध्यक्ष, रायपुर एयरपोर्ट पर हुआ अभूतपूर्व स्वागत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व कर चुके प्रभतेज सिंह भाटिया को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। मुंबई में 12 जनवरी को हुई बैठक में प्रभतेज सिंह भाटिया को बीसीसीआई के नए कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रभतेज सिंह भाटिया निर्विरोध रुप से इस पद के लिए चुने गए हैं। श्री भाटिया के कोषाध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार छत्तीसगढ़ आगमन पर रायपुर एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के पदाधिकारीगण एवं सभी सदस्य सहित प्रदेश के कई खिलाडियों और खेल प्रेमियों ने उनका स्वागत किया। ऐसे पहली बार है जब छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ का (सीएससीएस) का कोई प्रतिनिधि बीसीसीआई में इतनी बड़ी जिम्मेदारी निभाएगा।

कौन हैं प्रभतेज सिंह भाटिया

साल 1991 में रायपुर में जन्मे प्रभतेज सिंह भाटिया राज्य के दिग्गज उद्योगपति और समाजसेवी बलदेव सिंह भाटिया के बेटे हैं। दोनों में ही क्रिकेट के प्रति काफी जूनून है, यही वजह है कि उन्होंने राज्य क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। बलदेव सिंह भी छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के अध्यक्ष रह चुके हैं। प्रभतेज ने अपनी स्कूली शिक्षा शिमला से प्राप्त की। इसके बाद यूनाइटेड किंगडम स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर से इकोनॉमिक्स ऑनर्स में फाइनेंस का कोर्स किया है।

संत ज्ञानेश्वर स्कूल में मनाया गया छेरछेरा

बच्चों ने जाना अपने संस्कार और इसके महत्व को

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहारों का अपने अलग ही महत्व है। खेती प्रधान इस राज्य में त्योहारों का सीधा केंद्र किसानों द्वारा खेतों में लगाई फसल से होता है। पौष माह की पूर्णिमा को छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इसे दान का पर्व भी कहते हैं।

छेरछेरा पर्व में दान की गई वस्तुओं का उपयोग जनकल्याण के कार्यों में किया जाता है। यह पर्व किसानों की मेहनत और उनकी फसल की खुशियों का प्रतीक है। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में छेरछेरा पर्व सुबह की प्रार्थन सभा के दौरान मनाया गया। शिक्षिका आराधना लाल ने प्रार्थना सभा में बच्चों को छेरछेरा पर्व के महत्व और उसे मनाए जाने के कारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि महादान और फसल उत्सव के रूप मनाया जाने वाला छेरछेरा पर्व छत्तीसगढ़ के सामाजिक समरसता और समृद्ध दानशीलता का प्रतीक है। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन- धान्य की कोई कमी नहीं होती है।

स्कूल के उप प्राचार्य राहुल वोडीतेलवार ने बताया कि इस दिन बच्चे एकत्र होकर घर- घर जाकर दान मांगते हैं। बच्चे छत्तीसगढ़ी लोकगीत 'छेर-छेरा, छेरी के छेरा छेर बरतनीन छेर- छेरा' गाते हुए सभी के घर जाते है और दान मांगते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में धान दान करने की परंपरा है। प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने बताया कि

पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान शंकर ने माता अन्नपूर्णा से भीक्षा मांगी थी, इसलिए लोग धान के साथ साग- भाजी, फल का दान भी करते हैं। देश के अलग- अलग क्षेत्रों में इसे अलग- अलग नाम से जैसे असम में बिहू, दक्षिण में पोंगल, उत्तर भारत में संक्रांति के रुप में मनाया जाता है।

19 जनवरी को किया जाएगा मॉडर्न ब्लड सेंटर मेकाहारा में रक्तदान महादान

रायपुर (विश्व परिवार)। जगद्गुरु नरेंद्राचार्य जी महाराज संस्थान स्व स्वरूप संप्रदाय, भक्त सेवा हिंदुओं के धर्मगुरु रामानंदाचार्य जगतगुरु श्री स्वामी नरेंद्राचार्य जी महाराज दक्षिण पीठ नानीज धाम के आह्वान पर देश के महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, तेलंगाना, कर्नाटक, गोवा आदि राज्यों में प्रतिवर्ष रक्तदान महायज्ञ आयोजित किए जाते हैं। वर्तमान दौर में सिकलसेल, एनीमिया, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, ब्लड कैंसर किडनी के मरीज अधिक मात्रा में दिखाई देते हैं। ऐसे रोगियों को बार-बार खून की आवश्यकता होती है। इसलिए राज्य शासन के ब्लड बैंकों को जगद्गुरु नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान द्वारा रक्तदान करने का निर्णय लिया गया है। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी दिनांक 4 जनवरी 2025 से 19 जनवरी 2025 तक रक्तदान महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान शिविरों के माध्यम से इन सभी राज्यों में 4 जनवरी से 12 जनवरी तक केवल 09 दिनों में अब तक 83952 यूनिट रक्तदान हो चुका है। छत्तीसगढ़ में अब तक 366 यूनिट रक्तदान किया जा चुका है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के रायपुर जिला में भी दिनांक 19 जनवरी 2025 दिन रविवार को मॉडर्न ब्लड सेंटर मेकाहारा अस्पताल रायपुर में रक्तदान महायज्ञ के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है । अपने दैनिक जीवन के केवल 5 मिनट रक्तदान के लिए आवश्यक है। आपके लिए यह केवल दान है परंतु जरूरतमंद के लिए यह जीवन दान है। स्वयं के साथ-साथ अपने मित्रों नाते रिश्तेदारों को इस महान रक्तदान कार्यक्रम के लिए प्रेरित करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या से हमारे लिए अपना बहुमूल्य समय निकालकर नियत स्थान मॉडल ब्लड सेंटर मेकाहारा अस्पताल रायपुर में दिनांक 19 जनवरी 2025 दिन रविवार को सुबह 9:00 बजे से उपस्थित होकर इस सामाजिक कार्य में रक्तदान करने हेतु सहभागी होकर हमें अनुग्रहित करने की कृपा करें। रक्तदान करने के पश्चात शरीर में रक्त तैयार करने वाली पेशियां को प्रेरणा मिलती है । 48 घंटे में नया शुद्ध रक्त नसों में भर जाता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से ब्लड प्रेशर, कैंसर, हार्ट अटैक होने का खतरा कम हो जाता है। एक यूनिट रक्त से कम से कम तीन रोगियों को जीवन दान मिलता है। इसका पुण्य हम सभी रक्तदाताओं को मिलता है। इस शिविर में 18 वर्ष से लेकर 65 वर्ष तक के लोग स्वेच्छा से रक्तदान कर सकते हैं । जगद्गुरु नरेंद्राचार्य महाराज संस्थान एवं स्व स्वरूप संप्रदाय, भक्त सेवा मंडल रायपुर ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में मॉडर्न ब्लड सेंटर मेकाहारा पहुंचकर अधिक संख्या में रक्तदान करें।

खंडेलवाल दिगंबर जैन समाज ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

छत्रपति संभाजीनगर (विश्व परिवार)। वरिष्ठ स्वातंत्राता सेनानी दिवंगत माणिकचंद पहाड़े की प्रतिमा शहर में उचित जगह पर स्थापित करने की मांग को लेकर खंडेलवाल दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ सदस्यों के शिष्ठा मंडल ने व माणिकचंद के पुत्र अनिल पहाड़े ने विधायक प्रदीप जायसवाल को आवेदन दिया है. इस प्रसंग विधायक जायसवाल ने चर्चा कर आश्वस्त किया. मध्य विस निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बनने पर जायसवाल का शिष्ठा मंडल ने सत्कार किया. इस अवसर पर माणिकचंद गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष ललीत पाटणी, श्री क्षेत्र कचनेर के एमआर बड़जाते, कचनेर के भरत ठोले, पूर्व अध्यक्ष डॉ. रमेश बडजाते, अशोक गंगवाल, अनिलकुमार पहाडे, विनोद लोहाडे, देवेंद्र काला, प्रकाश ठोले, पूर्व अध्यक्ष व कचनेर प्रमोद कासलीवाल आदि इस प्रसंग उपस्थित थे।

एनआईटी ने डेटा साइंस एंड इट्स एप्लिकेशन विषय पर कार्यशाला का किया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने डेटा साइंस एंड इट्स एप्लिकेशन विषय पर 15 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का उद्घाटन किया, जो 13 जनवरी 2025 को शुरू हुई। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को डेटा विज्ञान की व्यापक समझ देना है, जो वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने के लिए इसके व्यावहारिक उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है। इसमें डेटा प्री प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और डेटा-संचालित निर्णय लेने, विभिन्न डोमेन में नवाचार और प्रभावशाली परिणामों को सक्षम करने जैसे मुख्य क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. जितेंद्र कुमार राउत, डॉ. आकांक्षा श्राफ,और डॉ. नितेश के. भारद्वाज हैं।

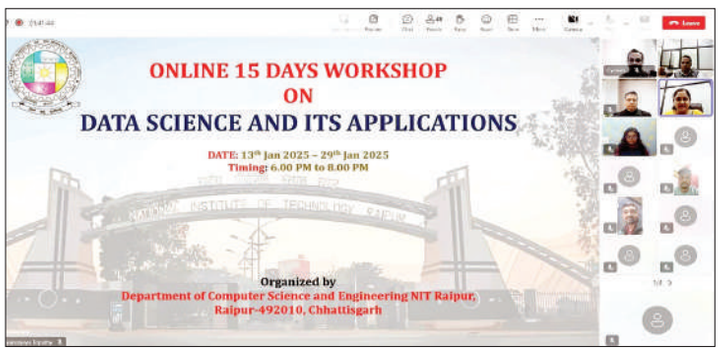

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इन्फोगेन के निदेशक श्री विवेक गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईटी रायपुर के निदेशक प्रो. एन.वी. रमना राव उपस्थित थे।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत वर्चुअल दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके बाद डॉ. आकांक्षा श्राफ ने स्वागत भाषण दिया।

अपने संबोधन में डॉ. राव ने डेटा विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला और इसके प्रमुख घटकों पर चर्चा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, वित्त, विपणन, परिवहन, सोशल मीडिया, ऊर्जा, शिक्षा और शहरी विकास जैसे विविध क्षेत्रों में इसके उपयोगों के बारे में विस्तार से बताया। इसके महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि डेटा विज्ञान आज की दुनिया में एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसके एप्लिकेशन का और अधिक विस्तार होने वाला है, जो महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करेगा।

एआई उद्योग जुड़े हुए श्री गुप्ता ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि डेटा विज्ञान एक कला है जिसमें अभ्यास के माध्यम से महारत हासिल की जा सकती है । उन्होंने कृषि में इसकी भूमिका सहित डेटा विज्ञान के व्यापक उपयोगों पर प्रकाश डाला और गणित, सांख्यिकी और पायथन या आर जैसी प्रोग्रामिंग भाषाओं में दक्षता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को संस्थान के प्रोफेसरों के साथ प्रोजेक्ट बनाने, कागल जैसे ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाने और नवीनतम प्रगति और रुझानों पर अपडेट रहते हुए क्लाउड प्लेटफ़ॉर्म, बिग डेटा और स्त्त्रु से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने जनरेटिव ⌐ढ्ढ और भाषा मॉडल (स्र्स्रू) के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एआई नई भूमिकाएँ बनाकर और कुछ पारंपरिक भूमिकाओं की प्रासंगिकता को कम करके इस उद्योग को नया आकार दे रहा है। डॉ. शुभोजित घोष ने इस कार्यक्रम हेतु गणित की ठोस समझ के बिना डेटा विज्ञान को लागू करने वाले मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने साझा किया कि इस कार्यक्रम में सैद्धांतिक पहलुओं और केस स्टडी के साथ व्यावहारिक शिक्षा दोनों शामिल होंगे, उन्होंने प्रतिभागियों को इससे मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

डॉ. प्रदीप सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम डेटा विज्ञान के विभिन्न अनुप्रयोगों को कैसे कवर करेगा, उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के साथ यह बताया कि समाधान खोजने के लिए डेटा को प्रभावी ढंग से प्रयोग करके डेटा विज्ञान को विभिन्न संगठनों और समस्याओं पर कैसे लागू किया जा सकता है। कार्यक्रम का समापन डॉ. जितेंद्र कुमार राउत के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

तृतीय पट्टाधीश आचार्य श्री धर्म सागर जी का 112 वा वर्ष वर्धन वर्ष मनाया

14 जनवरी को जैनत्व के संस्कार होंगे

पारसोला (विश्व परिवार) । पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संघ सहित पारसोला में विराजित है। आचार्य श्री के दीक्षा गुरु आचार्य तृतीय पट्टाचार्य आचार्य श्री धर्म सागर जी के 112 वे वर्ष वर्धन जन्म अवतरण वर्ष पर जयंतीलाल कोठारी दिगंबर जैन समाज पारसोला एवं ऋषभ पचौरी वर्षायोग समिति ने बताया कि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के सानिध्य में मंडल विधान कर आचार्य संघ के भक्तों ,श्रावक श्राविकाओं द्वारा आचार्य श्री की भक्तिमय पूजन की गई ।आचार्य श्री ने वर्धमान सागर दीक्षा गुरु आचार्य श्री धर्म सागर जी का गुणानुवाद कर बताया कि गुरु के हम पर बहुत कृपा है,गुरु आचार्य श्री धर्म सागर जी ने मुनि दीक्षा हमें दी।आपका जन्म गंभीरा राजस्थान में सन 1914 में हुआ ।किशोर अवस्था में ही आपके और चचेरी बहन के माता-पिता का निधन होने से आपकी बड़ी

बहन दाखा बाई ने आपका लालन पोषण किया।आप जीवन यापन करने के लिए इंदौर मध्य प्रदेश में आए यहां पर कपड़ा मिल में पहले नौकरी की कपड़े निर्माण में होने वाली हिंसा को देखकर अपने वह नौकरी छोड़ दी । गृहस्थ अवस्था में भी आप निस्पृह रहे कपड़े की गठरी लेकर आप विक्रय करते थे ?1 का मुनाफा होने पर आप बिक्री बंद कर वापस घर आ जाते थे। आपने आचार्य श्री वीर सागर जी से मुनि दीक्षा सन 1952 में ली।24 फरवरी सन 1969 में जिस दिन आपको आचार्य पद की प्राप्ति हुई उसी दिन 11 भव्य प्राणियों को दीक्षा दी जिसमें हमारी भी 19 वर्ष की उम्र में मुनि दीक्षा हुई हम पर दीक्षा गुरुदेव का काफी उपकार है। ब्रह्मचारी गजु भैया एवं राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि आचार्य श्री धर्मसागर जी का जन्म भगवान धर्मनाथ जी के ज्ञान कल्याणक दिवस हुआ तथा आपकी समाधि भी भगवान मुनि सुब्रतनाथ के ज्ञान कल्याणक दिवस पर हुई। सभी गुरुओं के आशीर्वाद से हम आचार्य श्री शांति सागर जी की परंपरा को चला रहे हैं। आचार्य श्री ने महत्वपूर्ण सूत्र में बताया कि जन्म को सार्थक कर, मरण को दीक्षा रुपी लक्ष्मी से से वरण करने का कार्य सौभाग्यशाली जीव कर जीवन को सार्थक करते हैं। मुनि श्री हितेंद्र सागर जी एवम शिष्या आर्यिका श्री शुभ मति माताजी ने आचार्य श्री धर्म सागर जी का गुणानुवाद किया। इसके पूर्व आचार्य श्री धर्म सागर जी महाराज की पूजन संगीतमय आचार्य संघ ने संपन्न कराई।

जैन शिशु एवं बाल संस्कार अनूठा एवं अद्भुत दिव्य आशीष कार्यक्रम

पंचम पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ सान्निध्य एवं कर कमलों से दिनाँक 14/01/2025, मंगलवार को दोपहर 12.15 बजे से सन्मति भवन में जैन शिशु एवं बाल संस्कार का अनूठा एवं अद्भुत कार्यक्रम संपन्न होगा। जिसमें जैन शिशु एवं बाल संस्कार विधि उम्र - 46 दिन से 8 वर्ष तक नामकरण संस्कार बहिर्यान संस्कार

निषद्या संस्कार व्युष्टि क्रिया संस्कार वर्षवर्धन संस्कार लिपिसंख्यान क्रिया संस्कार किए जावेंगे जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष दशा हूंमड दिगंबर जैन समाज एवं ऋषभ पचोरी अध्यक्ष वर्षायोग समिति पारसोला ने सभी धर्मानुरागीयो से कार्यक्रम में सुनिश्चित रूप से सम्मिलित होकर पुण्य का संचय करने का निवेदन किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-09)
पुलिस थाने के पास, दुबे कॉलानी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone09@gmail.com

पत्र क्र./17085/ न.पा.नि./जोन क्र.-09/2025
रायपुर, दिनांक 10-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17085
वार्ड का नाम- 07 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 07 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226E01324** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AJEET KUMAR LULLA , SAHIL LULLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. HEERALAL LULLA AJEET KUMAR LULLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S. KARTIK CHAND SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **NOTARI PEPAR** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(09)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 14 जनवरी 2025

मुख्यमंत्री साय ने मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी लोगों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की है। मुख्यमंत्री कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में मकर संक्रांति, पोंगल और लोहड़ी पर्व जैसे कई अलग अलग नाम से मनाया जाता हैं। दक्षिण भारत में मनाया जाने वाला पोंगल समृद्धि का प्रतीक है। यह त्योहार प्रकृति और फसल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक माध्यम है। मकर संक्रांति का त्यौहार ऋतु परिवर्तन का संदेश लेकर आता है। यह ऋतु परिवर्तन का पर्व सभी लोगों के जीवन में सुख और समृद्धि लेकर आए।

संक्षिप्त समाचार

मकर संक्रांति पर कल होगी भव्य खारुन गंगा महाआरती एवं भजन संध्या

रायपुर (विश्व परिवार)। बनारस व प्रयागराज की तर्ज पर खारून गंगा महाआरती का आयोजन राजधानी रायपुर के महादेवघाट तट

पर लगातार होते आ रहा है, पर्व विशेष पर इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इस बार 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन भव्य महाआरती का आयोजन किया गया है। माघ मास की शुरुआत और शाही स्नान का प्रथम दिवस भी इसी दिन है। खारुन गंगा महाआरती के संस्थापक एवं करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर एवं खारुन गंगा महाआरती प्रमुख आचार्य धीरज शास्त्री ने बताया कि वैसे तो हर पूर्णिमा पर यह आरती होती है पर इस बार महापर्व के रूप में मकर संक्रांति को यह बड़े ही भव्य स्वरूप में किया जा रहा है। 11 विद्वतजन ब्राम्हणों के द्वारा महाआरती विधि विधान से होगी इसमें अन्य लोग भी सहभागी बनेंगे। पश्चात धार्मिक भजन संध्या में लल्लू भैया की भजन संध्या होगी। पूरे आयोजन को भव्य रूप देने ऋषभ सिंह ठाकुर, सूर्या वर्मा, कायम सिंह, सुनील सिंह (बबलू), पप्पू सिंह, अखिलेश सिंह, प्रभात सिंह, प्रिया सिंह व पूरी टीम लगी हुई है। बता दें विगत वर्ष 108 ब्राह्मणों द्वारा महाआरती एवं कैलाश खैर की भजनामृत के साथ 251 मीटर की चुनरी मां गंगा को समर्पित कर रिकार्ड स्थापित किया गया था।

नगर पंचायत चंदखुरी सीएमओ द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था सुधारने किया जा रहा प्रतिदिन वार्डो का निरीक्षण

चंदखुरी (विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री (छ.ग. शासन) के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के अनुसार नगर पंचायत चंदखुरी क्षेत्र में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में न.पं. चंदखुरी के सफाई कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले कार्य जिसमें बिखरे कचरे को समेटने के साथ-साथ आवासीय एवं व्यवसायिक इलाकों में निस्तार हेतु बनाई गई नालियों समेत जीबी पॉइंट के सफाई कार्यो, स्वच्छता दीदियों के द्वारा डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का निरीक्षण किया गया। सीएमओ श्री अंकुल राम तारम एवं सफाई प्रभारी विमल गिलहरे द्वारा विभिन्न वार्डो में सफाई अभियान का निरीक्षण किए जाने के समय स्थानीय लोगों से चर्चा भी की गई। साथ ही सफाई कार्य में सहयोग एवं ऐसे सुझाव भी मांगे जिसमें नगर पंचायत द्वारा सफाई कार्यों को बेहतर बनाया जा सके।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने होरीलाल चक्रधारी का बदला जीवन का सफर

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिका परिषद कुम्हारी में माननीय मुख्यमंत्री ओर नगरीय प्रशासन मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री (छ.ग.) के

नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के अनुसार नगर पालिका परिषद कुम्हारी की यह कहानी है खुशियों की आशाओं के साथ जीवन में होने वाले बदलाव की नगर पालिका परिषद कुम्हारी वार्ड 09, शिव नगर, चक्रधारी महोल्ला में रहने वाले श्री होरीलाल चक्रधारी जी, जो पेशे से कुम्हार है, जब इंसान के पास पैसा न हो और कच्चा घर भी पूर्ण रूप से सुविधाओं के साथ उपलब्ध न हो तब आदमी अपने आपको असहाय महसूस करने लगता है आगे की कहानी उनकी जुबानी, मैं आज इस परिवर्तन के बहुत अबहर व्यक्त करता हूँ माननीय प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, केंद्रीय सरकार, राज्य सरकार, के साथ साथ नगर पालिका के अधिकारी एवम प्रधानमंत्री आवास योजना के समस्त कर्मचारियों का दिल से धन्यवाद् और प्रणाम, आज आवास योजना के तहत मेरा कच्चा मकान से पक्का मकान का सपना पूरा हुआ है मैं पेशे से कुम्हार हूँ मिटटी के बर्तन, दिया, खिलोने एवम अन्य सामग्री बनाता हूँ, कच्चे मकान के कारण मुझको पारिवारिक समस्या के साथ साथ व्यवसायिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा था, लेकिन आज जो पक्के मकान का सपना पूरा हुआ है आज मेरा परिवार बहुत खुश है, आज मुझको और मेरे परिवार को इस योजना से बने खुद के पक्के आवास से सामाजिक, मानसिक, पारिवारिक और व्यवसायिक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ रहा।

पुराने समाचार पत्रों/पत्रिकाओं (रद्दी) की बिक्री के लिए 17 जनवरी तक कोटेशन आमंत्रित

रायपुर (विश्व परिवार)। पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा पुराने समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, फर्नीचर और कम्प्यूटर उपकरणों के निस्तारण (व्रिक्रय) के लिए 17 जनवरी, 2025 (शुक्रवार) की शाम 5.00 बजे तक स्थानीय रद्दी खरीदारों से कोटेशन आमंत्रित किया जा रहा है। इच्छुक फर्में अपना कोटेशन पत्र सूचना कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, दूरदर्शन केन्द्र परिसर, शंकर नगर, रायपुर स्थित कार्यालय में जमा करा सकते हैं। प्राप्त कोटेशन दिनांक 20 जनवरी, 2025 (सोमवार) को दोपहर तीन बजे उपस्थित खरीदारों के सामने खोले जाएंगे अधिकतम दर प्रस्तावित करने वाले फर्म को विक्रय-आदेश जारी किया जाएगा।

रायपुर में बर्खास्त बीएड शिक्षकों का दंडवत प्रदर्शन

प्रियंका गांधी बोलीं- युवाओं को अंधकार में धकेल रही बीजेपी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षक राज्य सरकार को जगाने के लिये अर्धनग्न और दंडवत होकर प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को लगभग पांच किलोमीटर तक दंडवत होकर यात्रा निकाली। इन शिक्षकों ने माना चौक से शदाणी दरबार तक सड़कों पर लेटकर विरोध जताया। अब इस मामले में सियासत हो रही है। सांसद प्रियंका गांधी और प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर राज्य की विष्णुदेव सरकार पर निशाना साधा है।

प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि छत्तीसगढ़ का यह वीडियो देश के युवाओं की दुर्दशा का एक छोटा सा उदाहरण है। प्रदेश में 33 हजार शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और 1 लाख नौकरी देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने 3 हजार शिक्षकों को नौकरी से निकाल दिया। ये लड़कियां नौकरी की गुहार लगाते हुए इस कड़ाके की ठंड में सड़क पर लेटकर विरोध जता रही हैं। आज उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ समेत हर राज्य के युवा भाजपा के भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा ने पूरे देश के युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है।

ये है बीजेपी का युवा विरोधी चेहरा : वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश ने ट्वीट कर लिखा कि छत्तीसगढ़ में 3 हजार शिक्षकों को नौकरी से निकाल दिया गया। ये वीडियो बीजेपी सरकार में युवाओं की दुर्दशा और सरकार की संवेदनहीनता का सबूत है- जहां वे कड़ाके की ठंड में सड़कों पर लेटकर न्याय मांग रहे हैं। अपनी नौकरी के लिए गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। देश के युवा पहले ही बेरोजगारी, पेपर लीक और परीक्षा में धांधली से जूझ रहे हैं, ऐसे में हजारों युवाओं की नौकरी छीनकर सरकार उनका भविष्य तबाह करने पर तुली है। ये बीजेपी का युवा विरोधी चेहरा है। जहां रोजगार के खोखले वादे कर, उन्हें बेरोजगार बनाया जा रहा है। देश इन्हें कभी माफ नहीं करेगा।

राज्य स्तरीय खादी और ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार राज्य कार्यालय, रायपुर द्वारा दिनांक में 03.01.2025 से 12.01.2025 तक राज्य स्तरीय संयुक्त खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी का आयोजन बी.टी. आई.ग्राऊण्ड, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) में किया गया। इस प्रदर्शनी में खादी विपणन बाजार के पैवेलियन के माध्यम से विभिन्न प्रदेशों के कारीगरों द्वारा खादी संस्थाओं के माध्यम से उत्पादित खादी वस्त्रों, सूती खादी, ऊनी खादी, रेशम खादी एवं पोली वस्त्र की प्रदर्शनी सह बिक्री की गई। प्रदर्शनी का आकर्षण 80 वर्षीय श्रीमती प्रमिला बोरखरे द्वारा न्यु मॉडल चरखे पर प्रदर्शनी में आने वाले आंगतुकों को कपास से धागा बनाने की प्रक्रिया के बारें में सजीव प्रदर्शन रहा।

ग्रामोद्योगी विपणन बाजार के पैवेलियन में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तपोषित इकाईयों द्वारा माननीय प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने, स्वदेशी एवं स्वावलंबन, वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न इकाईयो द्वारा उत्पादित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई। ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी के आकर्षण का केन्द्र कुम्भकार द्वारा विद्युत चलित कुम्हारी चाक के माध्यम स कुल्हड़, मटका, सजावटी वस्तुएं इत्यादि बनाने का सजीव प्रदर्शन रहा। इसी क्रम में श्रीमती ज्योति बागरी एवं श्रीमती राजेश्वरी जनबंधु पीएमईजीपी इकाईयों के प्रतिनिधियों द्वारा घानी से सरसों के तेल निकालने की प्रक्रिया का भी सजीव प्रदर्शन किया गया।

रायपुर वासियों द्वारा बी.टी. आई. ग्राउण्ड, शंकर नगर, रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में आकर कारीगरों का उत्साह वर्धन कर खरीदारी की गई। इस दस दिवसीय राज्य स्तरीय संयुक्त खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के समापन समारोह के अवसर पर राज्य निदेशक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रायपुर द्वारा खादी संस्थाओं तथा ग्रामोद्योगी इकाईयों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को कोर्ट से फिर झटका, 14 दिन की बड़ी रिमांड

बलौदाबाजार हिंसा मामला

रायपुर (विसं)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही है. रिमांड अवधि पूरी होने पर आज देवेंद्र यादव को कोर्ट में पेश किया गया. जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने विधायक देवेंद्र यादव को 14 दिनों के लिए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है.

कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि संविधान और कानून पर भरोसा है. कोर्ट से जरूर न्याय मिलेगा. वहीं प्रेमप्रकाश पाण्डेय की याचिका पर कहा कि मैं जेल में हूं बहुत सी जानकारी नहीं मिल पाती मेरे वकील केस देख रहें हैं. मुझे संविधान पर भरोसा है न्याय मिलेगा.

17 अगस्त से जेल में बंद हैं देवेंद्र यादव : 15 और 16 मई की दरमियानी रात कुछ असामाजिक तत्वों ने गिरौधपुरी धाम में सतनामी समाज के धार्मिक स्थल के पूज्य जैतखाम में तोड़फोड़ की थी. मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था. पुलिस की इस कार्रवाई से समाज के लोग असंतुष्ट थे और न्यायिक जांच की मांग कर रहे थे. इस बीच गृहमंत्री विजय शर्मा ने न्यायिक जांच की घोषणा की. वहीं जैतखाम में तोड़फोड़ के विरोध में हजारों लोग कलेक्ट्रेट के पास एकत्र हुए और जमकर हंगामा किया. जहां प्रदर्शन हिंसक हो गया.

जिसके बाद उपद्रवियों ने तांडव मचाते हुए कलेक्टर और एसपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया. मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने विधायक देवेंद्र यादव को आरोपी बनाया था. विधायक देवेंद्र यादव पर आरोप है कि उन्होंने बलौदाबाजार में भीड़ को हिंसा के लिए उकसाया. उन्हें 17 अगस्त 2024 को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था. गिरफ्तारी के बाद से उनकी न्यायिक रिमांड लगातार बढ़ाई गई और वे वर्तमान में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं.

सुकमा जिले में 205 करोड़ रुपए के 137 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

रायपुर (विश्व परिवार)। माओवाद एक कैंसर की तरह है। कैंसर को समाप्त करना है तो इसकी जड़ पर प्रहार करना जरूरी होता है। माओवादी बस्तर के कुछ इलाकों में जोंक की तरह चिपक गये थे और यहां के स्थानीय लोगों को डरा-धमका कर शोषण कर रहे थे। ये स्थल उनके सबसे सुरक्षित पनाहगाह थे। हमने माओवादियों की माँद में घुसकर उन पर हमले का निर्णय लिया। हमारे सुरक्षाबलों के जवानों के अदम्य साहस से हमने इन माओवादियों का मुकाबला किया और उनको धूल चटाई। बीते एक साल में विभिन्न मुठभेड़ों में हमारे सुरक्षाबलों ने 230 से अधिक माओवादियों को मार गिराया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले के मिनी स्टेडियम में विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

विष्णु की पाती-आवासीय स्वाभिमान की ओर एक नई पहल

अब तक 2073 लाभार्थी के घर पहुँचा मुख्यमंत्री का शुभकामना संदेश

नगर पालिका परिषद कुम्हारी सीमाक्षेत्र के लगभग 2400 से ज्यादा आवास लाभार्थियों के घर घर विष्णु की पाती का होगा वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के प्रत्येक परिवार के सर पर पक्की छत हो इस सोच को सकार करने के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा हैं। जिसके तहत कच्चे मकान में निवासरत परिवार जो आर्थिक परेशानी के कारण पक्का मकान नहीं बना सकते उन्हें आवास योजना के घटक मोर जमीन मोर मकान के तहत पक्का मकान निर्माण करने राशि दी जा रही है। नगर पालिका परिषद कुम्हारी सीमाक्षेत्र में मोर जमीन मोर मकान के तहत 2658 स्वीकृत आवासों में 2509 आवास पूर्ण हो चुके है, शेष आवास विभिन्न स्तर में प्रगतिरत है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवीन पहल करते हुए विष्णु की पाती नाम से शुभकामना संदेश पत्र दिया है। उन्होंने अपने संदेश में आवास योजना के लाभार्थियों को स्वंय के पक्का आवास का सपना सकार होने पर बधाई देते हुये कहा है कि यह सफलता स्वाभिमान और आत्म निर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होने संदेश में कहा है कि एक परिवार अपने घर को केन्द्र में रखकर जीवन के सुनहरे सपने को बुनता है और नई पीढी के भविष्य की बुनियाद तैयार करता है। आपके परिवार तक इस जन कल्याणकारी योजना का लाभ पहुँचा है, मेरे लिये इससे बड़ी संतुष्टि कुछ और नहीं हो सकती। घर परिवार खुशहाल रहे इसके लिये छत्तीसगढ सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने पत्र में अपना सौभाग्य समझ कहा है कि आवासहितन परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के पुनीत कार्य का मै माध्यम बना हूँ। उन्होंने लाभार्थियो को उनका नया घर खुशियो व समृद्धि से भरा होने की शुभकामनाएं दी है। नगर पालिका परिषद कुम्हारी सीमाक्षेत्र में आवास लाभार्थी में लगभग 2400 से ज्यादा लाभार्थी को विष्णु की पाती भेजा जा रहा है, जिसमें से 2073 पाती अब तक डाक के माध्यम से लाभार्थियों के घर पहुंचाने हेतु डाकघर (पोस्ट ऑफिस) में जमा कर दिया गया है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के संस्थापक प्रदीप जी का जन्म दिवस मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन व श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप रायपुर के तत्वाधान में (संस्थापक अध्यक्ष स्व. श्री प्रदीप सिंह जी कासलीवाल साहब की 77 वीं जन्म जयंती-सेवा (13 जनवरी) के अवसर पर आज के मानव सेवा कार्यक्रम मे दृस्टिबाधित बालिका गृह 'प्रेरणा' हीरापुर रायपुर मे श्री अजय ममता जैन, अतुल मीता जैन, यशवंत जया जैन, अनिल अनिता काला, संजीवविजया जैन, श्रीमति आशा पदम गंगवाल, मनीष पारुल जैन, रोमिलहिना जैन व उपाध्यक्ष नरेंद्र रश्मि जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमति पूजा सुबोध जैन की उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस बालिका गृह मे 120 बालिका जो जन्म से व बीमारी से उनकी दृस्टि उपचार से भी नहीं ठीक हों सकती हैं, इस स्कूल मे उन्हें यहाँ पर सामान्य जीवन जीना सिखाते हैं। श्रीदिगम्बर जैन सोशल ग्रुप रायपुर द्वारा आज का भोजन, सुबह के लिए फल व उनके बैठने के लिए आसनी व दान राशि दी गई।

राज्य स्तरीय फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी का भव्य समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रकृति की ओर सोसायटी, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, उद्यानिकी विभाग, आईजीकेवी एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का समापन समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर के मुख्य अतिथि माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल (सांसद) एवं विशेष अतिथि श्री के. एस. पैकरा (उपसंचालक, उद्यानिकी विभाग)एवं जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड से अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस प्रदर्शनी का उद्देश्य केवल फल, फूल और सब्जियों के प्रदर्शन तक सीमित नहीं बल्कि यह कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार और उन्नति को प्रोत्साहन देने का एक सशक्त मंच भी प्रदान करता है इसके माध्यम से प्रतिभागियों की रचनात्मकता और परिश्रम को सम्मानित भीकिया जाता है। मुख्य अतिथि श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति की ओर सोसायटी एवं जिंदल स्टील के तत्वाधान द्वारा पिछले 15 वर्षों से आयोजित यह प्रदर्शनी प्रेरणादायक है। यह न केवल लोगों को प्रकृति से जोड़ती है, बल्कि समाज और विद्यालयों के बीच समन्वय स्थापित कर उन्हें प्रेरित भी करती है। हम सभी को फूलों की तरह खिले रहकर समाज में सकारात्मकता का संचार करना चाहिए।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें अलग अलग कैटिगरी में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रथम,द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं प्रदर्शिनी केआखरी दिन होने से देर रात तक लोग इस प्रदर्शनी का आनंद उठाते दिखे।

डॉ. प्रशांत शुक्ला ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात, रायपुर का पदभार ग्रहण किया

यातायात के अधिकारियों की बैठक लेकर सक्रियता से कार्य करने निर्देश दिया

रायपुर (विश्व परिवार)। डॉ. प्रशांत शुक्ला राज्य पुलिस सेवा छत्तीसगढ़ के 2013 बैच के अधिकारी है, जो आज दिनांक 13.01.2025 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर के पदभार ग्रहण किये है। ये जिला बीजापुर, राजनांदगांव में उप पुलिस अधीक्षक के पद पर रहे है साथ ही ईओडबल्यू/एसीबी एवं सीआईडी में पदस्थ रहे है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद पर पखांजुर एवं कांकेर में पदस्थ रहे है। इनका संपर्क नंबर 7389060040 है। आज पदभार ग्रहण करते ही यातायात के सभी अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया और राजधानी की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने सक्रियता से कार्य करने की आवश्यकता बताई, साथ ही आमजन की शिकायतों व सुझाव पर संवेदनशीलता से कार्य करने निर्देशित किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354